वर्ष 14, अंक 95
गैरसैंण
सोमवार
31 जुलाई 2023
पृष्ठ 8

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2020-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8445596074, 7060517714, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

दिल्ली में दर्दनाक हादसा: यमुना में नहाने गए पांच दोस्त डूबे, दो बचे तीन लापता

नई दिल्ली , एजेंसी। बाहरी-उत्तरी दिल्ली के अलीपुर स्थित सिंघु गांव के नजदीक यमुना में नहाने गए तीन किशोर गहरे पानी में डूब गए। हादसे के बाद इनके साथ मौजूद दो अन्य दोस्त बुरी तरह घबरा गए। डर की वजह से दोनों ने इनके परिजनों को डूबने के बारे में नहीं बताया। परिजन अपने बच्चों को ढूंढते रहे। देर रात को दोनों दोस्तों ने किशोरों के डूबने की जानकारी दी।

रात को ही मामले की सूचना पुलिस व दमकल विभाग को दी गई। बोट क्लब के गोताखोर भी मौके पर पहुंच गए। रातभर और रविवार को दिन में चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद तीनों किशोरों का सुराग नहीं लग सका। आशंका व्यक्त की जा यमुना के तेज बहाव में तीनों दोस्त बह गए। बचाव दल रिशु (14), शिवम (13) और रूपेश (14) की तलाश में जुटा है।

जानकारी के अनुसार रिशु, शिवम और रूपेश परिवार के साथ सिंघु गांव में रहते हैं। रिशु के परिवार में पिता राम सिंह, मां और एक भाई है। शिवम के परिवार में पिता नागेंद्र व अन्य सदस्य हैं। वहीं रूपेश के परिवार में पिता जितेंद्र पांडेय व अन्य लोग हैं। तीनों ही दोस्त पास के सरकारी स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र हैं।शनिवार सुबह करीब 10 बजे तीनों दोस्त अपने दो अन्य दोस्त प्रवेश और शुभम के साथ खेलने जाने की बात कर घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे।

राजधानी दिल्ली में बनेगी अमृत वाटिका: पीएम

देश के कौने-कौने से 7500 कलशों में लाई जाएगी मिट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में अमृत वाटिका बनेगी जिसके लिए देश भर से 7500 कलश में मिट्टी लाई जाएगी। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 103वीं कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने के अवसर पर सभी पूरे उत्साह से 'अमृत महोत्सव' मना रहे हैं। 'अमृत महोत्सव' के दौरान देश में करीब-करीब दो लाख कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। ये कार्यक्रम एक से बढ़कर एक रंगों से सजे थे, विविधता से भरे थे। इन आयोजनों में रिकॉर्ड संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में, चारों तरफ 'अमृत महोत्सव' की गूंज है। 15 अगस्त को देश में एक और बड़े अभियान की शुरुआत होने जा रही है। शहीद वीर-वीरांगनाओं को सम्मान देने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान शुरू होगा। इसके तहत देश-भर में हमारे अमर बलिदानियों की स्मृति में अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन विभूतियों की स्मृति में, देश की लाखों ग्राम पंचायतों में, विशेष शिलालेख भी स्थापित किए जाएंगे।

इस अभियान के तहत देश-भर में 'अमृत कलश यात्रा' भी निकाली जाएगी। देश के गांव-गांव से, कोने-कोने से, 7500 कलशों में मिट्टी लेकर ये 'अमृत कलश यात्रा' देश की राजधानी दिल्ली पहुचेंगी। ये यात्रा अपने साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से पौधे लेकर भी आएगी। 7500 कलश में आई माटी और पौधों से मिलाकर फिर राष्ट्रीय समर स्मारक के समीप 'अमृत वाटिका' का निर्माण किया जाएगा।

ये 'अमृत वाटिका', 'एक भारत-श्रेठ भारत का' भी बहुत ही भव्य प्रतीक बनेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले साल लाल किले से अगले 25 वर्षों के अमृतकाल के लिए 'पंच प्राण' की बात की गयी थी। 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान में हिस्सा लेकर हम इन 'पंच प्राणों' को पूरा करने की शपथ भी लेंगे। उन्होंने कहा,"आप देश की पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ लेते हुए अपनी सेल्फी को युवा डाट इन पर जरुर अपलोड करें।" प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा अभियान' के लिए जैसे पूरा देश एक साथ आया था, वैसे ही हमें इस बार भी फिर से, हर घर तिरंगा फहराना है, और इस परंपरा को लगातार आगे बढ़ाना है।

कांग्रेस ने 70 साल तक '370' को बच्चे की तरह गोद में पाला, नाम बदलने से भी नहीं मिलेंगे वोट: शाह

इंदौर, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा के पूर्व आज विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' को परोक्ष रूप से निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने 70 साल धारा 370 को बच्चे की तरह गोद में पाला है और क्या ऐसे लोगों को नाम बदलने के बाद भी वोट दिया जा सकता है। अमित शाह यहां भारतीय जनता पार्टी के संभाग स्तरीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा

और प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने धारा 370 के हटाए जाने के पीछे पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने 70 साल के शासनकाल में 370 को बच्चे की तरह गोद में पाल कर रखा। कांग्रेस समेत उनके गठबंधन के सभी दल इसे हटाने के विरोध में थे। धारा 370 को संभाल कर रखने वाली कांग्रेस अगर नाम भी बदल ले तो भी क्या अब उसे वोट दिए जा सकते हैं। इसी क्रम में श्री शाह ने कहा कि अयोध्या में श्री रामलला सैंकड़ों सालों से टेंट में थे। कांग्रेस ने इस मंदिर के निर्माण को भी भटका कर रखा। श्री मोदी के शासनकाल में अदालत का फैसला आया और फिर उन्होंने मंदिर निर्माण की दिशा में काम आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर के बाद अगर देश के मंदिरों का किसी ने जीर्णोद्धार किया है तो वे देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया है।

उन्होंने पाकिस्तान के बहाने भी कांग्रेस के शासनकाल को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 'सोनिया-मनमोहन की सरकार' में पाक से कोई भी आकर हमारे देश में हमले कर जाता था और उस समय की सरकार उफ भी नहीं करती थी।

इसरो के नाम जुड़ी एक और उपलब्धि, सिंगापुर के सात उपग्रहों को किया सफलतापूर्वक प्रक्षेपित

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने एक समर्पित वाणिज्यिक मिशन में अपने सबसे ताकतवर प्रक्षेपण वाहन पीएसएलवी-सी56 के माध्यम से रविवार को श्रीहरिकोटा की एसएचएआर रेंज के स्पेसपोर्ट से प्राथमिक पेलोड डीएस-एसएआर (एक रडार इमेजिंग अर्थ ऑब्जर्वेशन) उपग्रह सहित सिंगापुर के सात उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इसरो ने ट्वीट कर कहा," पीएसएलवी-सी56/डीएस-एसएआर मिशन पूरी तरह पूरा हुआ।"

साढ़े पच्चीस घंटे की उलटी गिनती के बाद, 228 टन वजन उठाने वाले 44.4 मीटर लंबे चार चरण वाले वाहन ने 0630 बजे प्रथम लॉन्च पैड से शानदार ढंग से उड़ान भरी।पीएसएलवी-सी56/डीएस-एसएआर, एसटी इंजीनियरिंग, सिंगापुर के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का समर्पित वाणिज्यिक मिशन है।

सिद्धू मूसेवाला मर्डर के मास्टरमाइंड सचिन बिश्नोई को भारत लाने की तैयारी, स्पेशल टीम अजरबैजान रवाना

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड गैंगस्टर सचिन विश्नोई को भारत लाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों की टीम अजरबैजान के लिए रवाना हो गई है। सचिन बिश्नोई पंजाब के सिंगर मूसेवाला की हत्या का मास्टरमाइंड है। बताया जाता है कि स्पेशल सेल काउंटर इंटेलीजेंस यूनिट आज रात तक अजरबेजान पहुंच जाएगी। इस टीम में एक एसीपी, दो इंस्पेक्टर और दो अन्य अधिकारी शामिल हैं। अजरबेजान पहुंचने के बाद यह टीम सचिन बिश्नोई को भारत लाने की जरूरी कार्रवाई पूरी करेगी। इसके वहां की एजेंसियां सचिन बिश्नोई को टीम को सौंप देंगी।

सचिन बिश्नोई विदेश में बैठा पहला गैंगस्टर है जिसे सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में प्रत्यर्पण करके भारत लाया जा रहा है। इसे भारत के लिए एक बड़ी कामयाबी के तौर

पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि सचिन बिश्नोई पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या का मास्टरमाइंड बताया जाता है। जानकारी के मुताबिक भारत लाने के बाद उससे पूछताछ का सिलसिला शुरू होगा।

खुलेंगे कई राज

बता दें कि सचिन बिश्नोई एक बहुत बड़ा गैंगस्टर है। जानकारी के मुताबिक वह फर्जी पासपोर्ट के जरिए अजरबेजान भाग गया था और वहां पर शरण ली थी। उसने वहां पर राजनीतिक शरण के लिए भी गुहार लगाई थी। माना जा रहा है कि सचिन बिश्नोई के गिरफ्त में आने से कई अहम जानकारियां साथ लग सकती हैं। इसमें गोल्डी बराड़ के क्या प्लान हैं, इस बारे में भी पता लगने की संभावना है। सिर्फ इतना ही नहीं, लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ी तमाम अहम जानकारियां भी सामने आ सकती हैं।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open 2023
"Journey Towards Excellence"
AVAILABLE PROGRAMMES
M.B.A. 2 Years
FIRST AICTE APPROVED COLLEGE IN REGION
B.H.M. 4 Years
B.Sc. IT 3 Years
B.B.A. 3 Years
B.C.A. 3 Years
C.H.M. 1 Year
• Attractive Scholarships
• Industrial Tour
• Value Added Courses @ 0% cost
• Internship in Leading Companies
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

समलौण संस्था ने किया पौधा रोपण

पौड़ी: समलौंण द्वारा थलीसैंण ब्लाक के नौगांव पज्याणा के जय मां काली स्मृति समलौण वन में 105बांज के समलौण पौधों का रोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम शुभारंभ समलौण आंदोलन के राज्य संयोजक मातबर सिंह बर्त्वाल ने किया। उन्होंने सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रीति देवी ने कहा कि पौधारोपण मानव जीवन के लिए एक पुण्य का कार्य है। पेड़ तो हर वर्ष असंख्य लगते हैं लेकिन उनका संरक्षण नहीं होने के कारण पर्यावरण असंतुलित रहता है। जिससे ग्लोबल वार्मिंग जलवायु परिवर्तन आदि अनेक समस्याओं को हम महसूस करते हैं। इस सब से बचने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। समलौण संस्था संपूर्ण राज्य में हर संस्कारों के अवसर पर एक आंदोलन के रूप में कार्य कर रही है जो कि प्रशंसनीय है।

नदियों के बढ़े जलस्तर के बीच युवाओं की मनमानी पड़ न जाए भारी, व्यायाम के लिए दांव पर लगा रहे जिंदगी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः इन दिनों कोटद्वार क्षेत्र में नदी–नाले उफान पर हैं। लगातार हो रही बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन लगातार लोगों को अलर्ट रहने की चेतावनी दे रहा ह। लेकिन, प्रशासन की अपील के बीच कुछ ऐसी तस्वीरें भी सामने आ रही हैं, जो चिंता बढ़ा रही हैं। अलर्ट के बाद भी लोग नदी नालों के बीच जाने से बाज नहीं आ रहे। कण्वाश्रम मालिनी नदी के बीच अब भी कई युवा सुबह योग व व्यायाम करने पहुंच रहे हैं। ऐसे में अचानक उफान पर आने वाले नदी कब उनकी जिंदगी पर भारी पड़ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। रविवार सुबह पुलिस ने अभियान चलाकर कई युवाओं को नदी से बाहर भगाया। दर-असल, कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा से नदी व गदेरे उफान पर बने हुए हैं।

पिछले 15 दिन में हुई 4 लोगों की मौत

पिछले 15 दिन के भीतर खोह नदी में डूबने से चार युवकों की मौत भी हो चुकी है। बावजूद क्षेत्रवासी नदी के बीच जाने से नहीं रुक रहे। रविवार सुबह कई युवा कण्वाश्रम स्थित मालिनी नदी के बीच पहुंचकर योगाभ्यास व व्यायाम कर रहे थे। अपने बेहतर स्वास्थ्य की चिंता कर रहे यह युवा नदी के बीच पहुंचकर जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

कोटद्वार में नीद के बीच योग व व्यायाम करने पहुंचे युवा।

पुलिस की चेतावनी के बाद भी कर रहे मनमानी

दरअसल, पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही वर्षा से नदियां कब उफान पर आ जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवाओं को नदी से बाहर निकलने की चेतावनी दी। पुलिस के चले जाने के बाद कई युवा दोबारा नदी में प्रवेश कर गए। इन अनदेखी और मनमानी की वजह से बात जिंदगी पर आ पड़ती है। एडवेंचर और प्रकृति का लुफ्त उठाने के चलते लोग अक्सर सुरक्षा को दरकिनार कर देते हैं।

शहर की व्यवस्थाओं पर पूर्व सैनिकों ने जताई लापरवाही

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बाढ़ सुरक्षा कायी में बरती जा रही लापरवाही व विभिन्न समस्याओं पर पूर्व सैनिकों का सरकारी सिस्टम के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा। पूर्व सैनिकों ने जल्द व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने पर जन आंदोलन चलाने की चेतावनी दी है। कहा कि शहरवासियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पूर्व सैनिक,अर्द्धसैनिक एवं सामाजिक विकास संस्था के बैनर तले बैठक का आयोजन किया गया। संस्था के उपाध्यक्ष प्रमोद रावत ने कहा कि गढ़वाल का प्रवेश द्वार कोटद्वार जन समस्याओं से जूझ रहा है। जनप्रतिनिधियों के वादे केवल हवाई साबित हो रहे हैं। पूर्व सैनिकों ने मालन नदी का पुल क्षतिग्रस्त होने के लिए प्रशासन व लोकनिर्माण विभाग को जिम्मेदार ठहराया। कहा कि यदि समय रहते पुल के पिल्लर की सुरक्षा की जाती तो आज पुल ढहने से जनता परेशान न होती। पुल ढहने के बाद भी प्रशासन की ओर से आवागमन के लिए कोई बेहतर व्यवस्था नहीं है। पूर्व सनैकों ने वर्षा काल में नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए। कहा कि लगातार बढ़ रही बीमारियों के बाद भी नगर निगम दवा का छिड़काव नहीं कर रहा। ब्लीचिंग पाउडर भी नहीं छिड़का जा रहा है।

कहा कि यदि जल्द व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो पूर्व सैनिक आंदोलन को मजबूर होंगे। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष प्रदीप बलूनी, आनंदबल्लभ घिल्डियाल, दिवाकर लखेड़ा, राजेश चौधरी राकेश मोहन थपलियाल, मोहन सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

रघुनंदन अध्यक्ष व नंद किशोर बने सचिव

पौड़ीः अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ पौड़ी प्रखंड का 11 द्विवार्षिक अधिवेशन आयोजन किया गया। इस दौरान कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

प्रेक्षागृह में आयोजित अखिल भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ पौड़ी प्रखंड के द्विवार्षिक अधिवेशन में पदाधिकारियों ने कमलेश चंद्र कमेटी की सिफारिशों को जल्द लागू करने, ग्रामीण डाक सेवकों को नियमित कर्मचारी का दर्जा व पेंशन देने, ग्रामीण डाक सेवकों से 8 घंटे तक काम लेते हुए पूरा वेतन देने, सामूहिक बीमा की धनराशि को 5 लाख तक बढ़ाने, ग्रामीण डाक सेवकों की ग्रेच्युटी को 1.5 लाख से बढ़ाकर 5 लाख करने, ग्रामीण डाक सेवकों के परिवारिक सदस्यों को चिकित्सा सुविधा देने, ग्रामीण डाक सेवकों का शोषण बंद करने आदि समस्याओं को हल करने की मांग उठाई गई। अधिवेशन में पर्यवेक्षक विभागीय चंद्र प्रकाश थपलियाल, जीवन प्रकाश चमोली की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी का चुनाव करते हुए सर्वसम्मिति से रघुनंदन गोदियाल अध्यक्ष, हर्षपाल व विनोद रावत कार्यकारी अध्यक्ष, कुशला देवी उपाध्यक्ष, नंदकिशोर डोभाल मंडलीय सचिव, विजय नैथानी, सुमन बर्थवाल, श्रीधर प्रसाद नौटियालख् बलवंत रावत सहसचिव, प्रेम सिंह भंडारी कोषाध्यक्ष, प्रकाश चंद्र नौड़ियाल सह कोषाध्यक्ष, कृष्णदत्त डोभाल, सोहन लाल, दीपक कुलसारी, राजन रतूड़ी संगठन सचिव व रमेशचंद्र लेखा पर्यवेक्षक चुने गए। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष राजपाल सिंह नेगी, प्रांतीय सहसचिव नवीन शर्मा, सुभाष पंवार, राजकुमार मधवाल, अकबर पुंडीर, नरेंद्र बिष्ट, प्रवीण बसलियाल, हरीश नेगी, पदमभूषण नेगी, रोहित थपलियाल, सुरेश ममगांई, विनोद कैंथोला, पवन कुमार, दीपक बिष्ट, कलम सिंह, रानी देवी, हयात सिंह, देवेंद्र चंदोला, विनोद सिंह, विजय राणा, दुर्गेश जगुरान आदि शामिल रहे।

जेपी बहुखंडी बने मालनी किसान पंचायत के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः किसानों के हित में कार्य करने वाली मालनी किसान पंचायत की नवीन कार्यकारिणी का गठन कर लिया गया है। कार्यकारिणी में जे पी बहुखंडी को अध्यक्ष चुना गया।

इस संबध में भाबर क्षेत्र में आयोजित बैठक में अध्यक्ष के अतिरिक्त नवीन मेहरा को उपाध्यक्ष और मधुसूदन सिंह नेगी को सचिव चुना गया। तय किया गया कि पंचायत किसानों की समस्याओं के साथ ही स्थानीय स्तर पर जनहित से जुड़े मुद्दों के निस्तारण के लिए भी प्रयास करेगी। मौके पर भविष्य में कार्यकारिणी का विस्तार करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में जे पी उनियाल, भूपेंद्र जलाल, कुबेर जलाल, योगेश कुकरेती, दौलत सिंह, चंद्रकांत केष्टवाल, भीम सिंह, चंद्रपाल सिंह और सुभाष केष्टवाल सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

दूसरे दिन भी दिखा तबाही का मंजर, घरों में भरा रहा भारी मलबा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कौड़िया बस्ती में पनियाली गदेरे से हुई तबाही का मंजर दूसरे दिन भी देखने को मिला। अधिकांश घर व आंगन में घुटने-घुटने तक मलबा भरा हुआ था। नगर निगम की ओर से मलबा हटाने में लोगों की मदद की जा रही थी। वहीं, पेयजल लाइने क्षतिग्रस्त होने के कारण कई घरों में पीने का पानी भी नहीं पहुंच पाया।

शुक्रवार रात हुई वर्षा के दौरान पनियाल गदेरा उफान पर बना हुआ था। गदेरे का पानी व मलबा कौड़िया क्षेत्र की बस्ती में घुस गया था। जिससे बस्ती के अधिकांश घरों में घुटने–घुटने तक मलबा भर गया। पिछले दो दिन से बस्तीवासी लगातार मलबे को साफ करने में जुटे हुए हैं। मलबे के कारण लोगों के घरों में

कौड़िया बस्ती के अधिकांश घरों में दूसरे दिन भी भरा दिखा मलबा

सामान पूरी तरह खराब हो चुका है। साथ ही कई सामान अब भी मलबे के नीचे दबा हुआ था। घर के आंगन व रास्तों में भारी मलबा जमा हुआ है। बस्ती में फैली अव्यवस्थाओं के कारण कई परिवार अपने रिश्तेदार व परिचितों के घर शरण ले ली है। वहीं, बस्ती में चारों ओर फैली गंदगी व मलबे से कोई बीमारी न हो इसके लिए मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी तैनात की गई हैं। टीम ने घर-घर जाकर लोगों को दवाएं वितरित की।

कौड़िया बस्ती में श्रमिकों की मदद से घर के आंगन में फैल मलबे को साफ करते परिवार जन

अग्निशमन विभाग ने चलाया अभियान, उपकरणों की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः आमजन को आपदाओं के प्रति जागरूक करने के लिए अग्निशमन विभाग की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत विभाग ने भाबर क्षेत्र में स्थित औद्योगिक संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों को अग्निशमन उपकरणों की जानकारी भी दी। वहीं, टीम ने फैक्ट्रियों में लगे उपकरणों की भी जांच की।

अग्निशमन अधिकारी इसम सिंह के नेतृत्व में सिगड्डी ग्रोथे सेंटर व औद्योगिक संस्थान में अभियान चलाया गया। टीम ने श्रमिकों को अग्निशमन उपकरणों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उनके प्रयोग के बारे में बताया।

कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अग्निशमन उपकरणों की जानकारी होनी आवश्यक है। जागरूकता से ही हम दुर्घटनाओं को रोक सकते हैं।

अधिकारियों ने श्रमिकों से जानकारी को अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुंचाने की भी अपील की। अभियान के दौरान एक फैक्ट्री में स्टोरेज एरिया से वाटर स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित नहीं था। दमकल टीम ने फैक्ट्री संचालक को जल्द से जल्द व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। कहा कि प्रत्येक औद्योगिक संस्थान में उपकरणों का कार्यशील स्थिति में होना अति आवश्यक है। यदि चेतावनी के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो फैक्ट्री संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कोटद्वार के भाबर में औद्योगिक संस्थानों में लगे अग्निशमन उपकरणों की जांच करते अधिकारी

जन जागरूकता अभियान चलाने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः जनपद स्तरीय बैंकर्स निगरानी समिति की बैठक में डीएम ने सभी बैंकर्स को वित्तीय साक्षरता के संबंध में लोगों को जागरूक करने, डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग के माध्यम से विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए रिमोट एरिया में जन–जागरूकता कैंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को योजनाओं का अधिक–से–अधिक लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम डा.आशीष चौहान ने स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इण्डसिण्ड बैंक के अफसरो को सीडी रेशियो(क्रेडिट डिपोजिट, जमा पूंजी, ऋण वितरण अनुपात) में निम्न प्रगति पर कड़ी फटकार लगाते हुए 1 महीने के भीतर सीडी रेशियो में सुधार के निर्देश दिए। कहा कि जल्द ही सुधार नहीं होने पर कार्रवाई भी की जाएगी। डीएम ने लीड बैंक अधिकारी को कालागढ़ क्षेत्र में एक बैंक ब्रांच खोलने, मुख्य कृषि अधिकारी को प्रगतिशील किसानों को चिह्नित करते हुए उनको सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ देने, सेल्फ रूरल एप्लायमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के निदेशक को छोटे–मोटे स्वरोजगारपरक कार्यों का व्यावहारिक और तकनीकि प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए।

सड़क पर उतरी पुलिस, हटाया अतिक्रमण

शहर की सड़कों पर पसरे अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार: अतिक्रमण को लेकर गहरी नींद में सोई पुलिस एक बार फिर जाग गई है। रविवार को पुलिस ने गोखले मार्ग के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर पसरे अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए व्यापारियों के चालान काटे।

बाजार चौकी प्रभारी प्रद्युमन नेगी के नेतृत्व में टीम ने स्टेशन रोड, गोखले मार्ग व बदरीनाथ मार्ग में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। पुलिस को देख अतिक्रमणकारियों में अफरा–तफरी मच गई। रेहड़ी–ठेली वाले अपना सामान लेकर गलियों में छिपने लगे जबकी, व्यापारी सड़क पर लगी दुकान को समेटते हुए नजर आए। बाजार चौकी प्रभारी ने बताया कि अभियान के दौरान एक दर्जन से अधिक अतिक्रमणकारियों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। व्यापारियों को सड़क किनारे नाली के बाहर दुकान न लगाने की सख्त हिदायत दी गई। इस दौरान कई व्यापारियों ने पुलिस के अतिक्रमण हटाने के अभियान का विरोध भी किया। लेकिन, पुलिस की सख्ती के आगे उनकी एक न चल सकी। पुलिस ने सड़क किनारे वाहनों को बेतरतीब तरीके से खड़ा करने वालों को भी चेतावनी दी। कहा कि यदि सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े दिखाई दिए तो उन्हें सीज करने की कार्रवाई की जाएगी।

कोटद्वार के गोखले मार्ग में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाती पुलिस

रोटरी क्लब ने किया पौधा रोपण, संरक्षण का संकल्प

कोटद्वारः रोटरी क्लब के तत्वाधान में महर्षि दयानंद सरस्वती शिशु मंदिर देवरामपुर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार के छायादार व फलदार वृक्ष लगाए गए साथ ही बच्चों ने पर्यावरण संबधित पोस्टर बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी अध्यक्ष कुलदीप अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उन्होने कहा कि धरती को बचाने के लिए पौधारोपण अति आवश्यक है। कहा कि प्रकृति व पर्यावरण के संरक्षण को लेकर सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्य बीरेंद्र सिंह ने क्लब की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि हमें वृक्ष लगाने के साथ ही उनके संरक्षण का संकल्प भी लेना चाहिए। तत्पश्चात क्लब ने विद्यालय के बच्चों के साथ जामुन, आंवला ,कनेर, बुगन बेल व विभिन्न प्रकार के फलदार व छायावाद वृक्ष लगाये। मौके पर बच्चों ने पर्यावरण से सम्बंधित पोस्टर प्रदर्शनी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में क्लब सचिव प्रतिभा गुप्ता, कोषाध्यक्ष सचिन गोयल,वाई पी गिलरा और गोपाल बंसल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

किशोरी से छेड़छाड़ कर रहे युवक की धुनाई

हरिद्वार। सरेराह किशोरी से छेड़छाड़ करते हुए बाइक पर बैठाकर ले जा रहे मनचले की राहगीरों ने पकड़कर जमकर धुनाई कर दी।

मामला अलग अलग समुदाय से जुड़ा होने के चलते हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने थाना कनखल पहुंचकर हंगामा काटा। पीड़िता की मां की तरफ से आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोप है कि क्षेत्र के गांव अजीतपुर में एक किशोरी से छेड़छाड़ करते हुए युवक ने उसे जबरन बाइक पर बैठाने की कोशिश की।

48 घंटे में चोरी हुई थार रिकवर, एक आरोपी धरा

हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र से चोरी की गई थार कार को 48 घंटे के भीतर फिल्मी अंदाज में हरियाणा के पलवल हाईवे पर टायर में गोली मारकर पंक्चर कर आरोपी को दबोच लिया। आरोपी का एक साथी फरार होने में कामयाब रहा। पुलिस के हत्थे चढ़े राजस्थान के रहने वाले आरोपी के खिलाफ अलग–अलग राज्य में वाहन चोरी के 51 मुकदमे दर्ज हैं। चंद मिनट में आधुनिक तकनीक से चौपहिया वाहन चोरी करने में आरोपी बेहद एक्सपर्ट है। एसएसपी अजय सिंह ने पुलिस टीम की पीठ थपथपाई है। रविवार को मेला नियंत्रण कक्ष में एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने जानकारी दी कि दो दिन पूर्व अतमलपुर बौंगला निवासी मनीष कुमार की थार कार घर के बाहर से चोरी कर ली गई थी। बताया कि कार बरामद करने के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की मदद से पुलिस टीम आगे बढ़ रही थी। पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे वाहन स्वामी ने पलवल से करमन टोल प्लाजा से आगे चलते ही अपनी कार को पहचान कर लिया, जिसके बाद पुलिस टीम ने अपना निजी वाहन थार के आगे लगा दिया लेकिन आरोपी ने रोकने की बजाय थार को पीछे कर भागना चाहा।

एसपी सिटी के मुताबिक आरोपी के भागने की कोशिश करने पर एसआई अशोक सिरस्वाल ने सरकारी असलहे से फायर कर सटीक निशाना लगाकर थार का टायर पंक्चर कर दिया। इसके बाद कुछ दूरी पर एक आरोपी को दबोच लिया गया जबकि एक आरोपी फरार हो गया।उन्होंने बताया कि आरोपी रतन सिंह पुत्र बत्तू सिंह निवासी शिवनगर कालोनी जयपुर राजस्थान अपने साथियों के साथ मिलकर चौपहिया वाहन के लॉक सिस्टम को डिकोड करने में एक्सपर्ट है और उसके बाद नया लॉक सिस्टम एवं नंबर प्लेट लगाकर वाहन को बेच दिया जाता था। या फिर वाहन को कबाड़ियों को बेच देते थे।

एचआरडीए के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए

हरिद्वार। सामुदायिक केंद्र इंद्रलोक में आयोजित इंद्रलोक आवासीय कल्याण समिति की साधारण सभा में पदाधिकारियों ने कॉलोनी में एचआरडीए की ओर से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए हैं। एचआरडीए की ओर से इंद्रलोक कॉलोनी में सड़क, नाले, सीवर, स्ट्रीट लाइट आदि का कार्य कराया जा रहा है। समिति के संरक्षण चौ. देवपाल सिंह राठी और प्रेमचन्द सैनी ने बताया कि कॉलोनी में कुछ ही महीने पहले एचआरडीए की ओर से सड़क बनाई गई थी।

जो अब उखड़नी शुरू हो गई है। आरोप है कि सड़क में खराब निर्माण सामग्री का प्रयोग किया गया था। साथ ही कॉलोनी में सीवर की समस्या के समाधान को लेकर एचआरडीए गंभीर नहीं है। यदि एसआरडीए कॉलोनी वासियों की समस्या का समाधान गंभीरता पूर्वक नहीं करता है तो एचआरडीए के विरोध में प्रदर्शन और भूख हड़ताल शुरू कर दिए जाएंगे। बैठक में कॉलोनी में हुए एचआरडीए के निर्माण कार्यों की रुडकी आईआईटी से जांच कराए जाने की मांग की है। मौके पर समिति अध्यक्ष जोनिंदरपाल आर्य, मुख्तयार सिंह, सुनील आर्य, निरंजन मालिक सिंह, प्रभात कौशिक, सुदेश आर्य, मीनू सैनी, नीलम, कामेश्वर, प्रभात कौशिक, आरके पाल, एडवोकेट राजेश राठौर आदि मौजूद रहे।

छात्र–छात्राओं की लगाई जागरूकता पाठशाला

अल्मोड़ा। एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा जनपद के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को स्कूलों/कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र–छात्राओं को जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। थानाध्यक्ष धौलछीना सुशील कुमार के नेतृत्व में धौलछीना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न स्कूलों राजकीय इंटर कालेज धौलछीना, पार्वती कान्वेंट पब्लिक स्कूल धौलछीना, अटल उत्कृष्ट राइंका नौगांव, जूनियर हाईस्कूल नौगांव, सरस्वती विद्या मंदिर बाड़ेछीना में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्कूल/कालेजों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को ड्रग्स के प्रति जागरूक करते हुए नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर नशे से दूर रहने तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करने हेतु प्रेरित किया गया। यातायात नियमों की जानकारी देकर हमेशा पालन करने, नाबालिगों को बालिग होने तक वाहन नहीं चलाने की उचित हिदायत दी गई, साईबर अपराध के सम्बन्ध जागरुक करते हुए बचाव के उपाय बताए गए। छात्राओं को महिला सुरक्षा के प्रति जागरुक करते हुए उनके अधिकारों व कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई, गौरा शक्ति की जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन की प्रकिया को समझाकर रजिस्ट्रेशन हेतु प्रेरित किया गया तथा हेल्पलाईन नम्बरों डायल 112, साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

मामूली कहासुनी में एक छात्र ने दूसरे छात्र को चाकू घोंपा

चम्पावत। ट्यूशन से आ रहे छात्र को दूसरे छात्र ने मामूली कहासुनी के बाद सड़क पर ही चाकू घोंप दिया। आसपास के लोगों ने घायल छात्र को अस्पताल पहुंचाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल और चाकू मारने वाले दोनों ही नाबालिग हैं। जानकारी के अनुसार लोहाघाट निवासी एक नाबालिग छात्र शाम के समय ट्यूशन से घर की ओर आ रहा था। बाजार में सड़क पर चलने के दौरान नौंवी में पढ़ने वाले छात्र की दूसरे छात्र से टक्कर हो गई। आरोप है कि टक्कर लगने से छात्र भड़क गया और गाली–गलौज करने लगा। बताया जा रहा है कि गुस्से से तिलमिलाया छात्र घर से चाकू लेकर आ गया और उसने दूसरे छात्र के माथे और सीने में वार कर दिए। इससे वहां हड़कंप मच गया। आसपास के लोग घायल हालत में नाबालिग छात्र को उपजिला अस्पताल ले गए। जहां उसका उपचार किया गया।

ट्रक यूनियन की बैठक आयोजित, नया भाड़ा किया गया तय

अल्मोड़ा। ट्रक यूनियन की बैठक रविवार को आयोजित हुई। बैठक में ट्रक यूनियन की समस्याओं पर चर्चा हुई। जिसमें पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपने विचार रखे। बैठक में पदाधिकारियों एवं ट्रक मालिकों के द्वारा माल भाड़ा तय किया गया। जिसमें हल्द्वानी से अल्मोड़ा प्रति कुंतल 95 रूपये जो कि पूर्व में 90 रूपये था तय किया गया। वहीं वधी(बेतालघाट) से अल्मोड़ा 60 रूपये प्रति कुंतल से बढाकर 65 रूपये प्रति कुंतल किया गया है। बैठक में यूनियन के सदस्यों ने वाहनों में प्रेशर हॉर्न का उपयोग नहीं करने एवं वाहन चालकों द्वारा शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की बात की गई। यहाँ बैठक में संदीप श्रीवास्तव, आनंद रावत, हरीश बिष्ट, रवि जोशी, भूपेंद्र भोज, रविंद्र सिंह, ललित मेहता, विजय सिंह, पान सिंह, कमल तिवारी आदि मौजूद रहे।

पिरूल से कोयला बनाने का दिया प्रशिक्षण

पिथौरागढ़। गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयन पर्यावरण संस्थान कोसी कटारमल के वैज्ञानिकों ने महिलाओं को पिरूल से कोयला बनाने का प्रशिक्षण दिया। मूनाकोट विकासखण्ड के दौली में निधि संस्था की ओर से सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रभारी डॉ.अशोक कुमार साहनी ने कहा कि वर्तमान में ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत के रुप में पिरुल के कोयला बनाना काफी फायदेमंद हैं। भविष्य में ऊर्जा की बचत के साथ आर्थिक लाभ भी कमाया जा सकता है। संस्था के निदेशक डॉ.सुनील पाण्डेय ने कहा कि नाबार्ड के सहयोग से 30 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यहां ग्रामीण तकनीकी परिसर सहायक अधिकारी डीएस बिष्ट, ममता पाण्डेय आदि रहे।

साक्ष्यों के अभाव में ट्रक चोरी के चार आरोपी दोषमुक्त

काशीपुर। द्वितीय एसीजे चेतन गौतम की अदालत ने ट्रक चोरी के चार आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है। काशीपुर निवासी जैनेंद्र पांडेय पुत्र चिरंजीव पांडे ने 06 नवंबर, 2014 को आईटीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका ट्रक पांच नवंबर को उसके ड्राईवर गुरचरन सिंह पुत्र बलदेव सिंह निवासी जसपुर खुर्द, गुरुगोविन्द सिंह कालोनी ने कुंडेश्वरी रोड पर एक रिसोर्ट्स के सामने खड़ा किया था। उसी रात ट्रक वहां से चोरी हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर सात नवंबर, 2014 को नदीम पुत्र महफूज, निवासी गढ़मुक्तेश्वर जिला हापुड़, यामीन पुत्र यासीन, निवासी–नईबस्ती, जसपुर, शब्बो उर्फ अखलाख पुत्र शेरू खां निवासी भट्टा कालोनी जसपुर को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी गया ।

बुंगाछीना—हरिनंदा सड़क की बदहाली पर भट्यूड़ा के ग्रामीणों का प्रदर्शन

पिथौरागढ़। बुंगाछीना–हरिनंदा सड़क की बदहाली को लेकर भट्यूड़ा के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा सड़क में बड़े–बड़े गड्ढे बन गए हैं। बारिश के बार दौरान पूरी सड़क कीचड़ से पट गई है। इससे आवाजाही करना लोगों के लिए चुनौती बन गया है। रविवार को भटयूड़ा में महिलाएं एकत्रित हुईं।

इस दौरान उन्होंने नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कहा बुंगाछीना से हरिनंदा के बीच करीब 17 साल पहले तीन किमी लंबी सड़क का निर्माण हुआ। तब इस मार्ग में डेढ़ किमी सड़क में डामरीकरण हुआ, लेकिन शेष मार्ग को कच्चा ही छोड़ दिया गया। कहा वर्तमान में आधा–अधूरा हुआ डामर भी उखड़ गया है। बारिश के दौरान इस मार्ग में आवाजाही करना मुसीबत बन गया है। स्थानीय निवासी पीताम्बर भट्ट ने कहा कि सड़क की बदहाली से लोगों को खासी दिक्कत हो रही है, विशेषकर गर्भवती और बुजुर्ग। कहा कि सड़क के कारण रसाई गैस और एंबुलेंस के वाहन भी गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

बाराबीसी ग्रामीण उत्थान समिति ने मेधावियों को सम्मानित किया

पिथौरागढ़। देवलथल में बाराबीसी ग्रामीण उत्थान समिति ने मेधावियों को सम्मानित किया। सुरेंद्र सिंह बसेड़ा ने बताया समिति वर्ष 2012 से सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर रही है। इस वर्ष भी समिति ने प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्राथमिक वर्ग में दीपिका कन्याल और जूनियर वर्ग में मयंक बिष्ट ने पहला स्थान हासिल किया है। एसवीएम पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रथम के अलावा दस स्थान तक रहे छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संचालन सुरेंद्र और नरेश पांडेय ने

किया। यहां विद्यालय के प्रबंधक नरेंद्र सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य मनोहर कापड़ी, सुमन बिष्ट, कविता चौहान, गोविंद पांडेय, श्याम दत्त जोशी, प्रदीप बसेड़ा, महेंद्र सामंत, शंकर सिंह सामंत, ज्ञानीराम रहे।

टमाटर के बाद अब शिमला मिर्च रुला रही

चम्पावत। टनकपुर में टमाटर के बाद अब शिमला मिर्च के दाम आसमान छू रहे हैं। एक माह के भीतर ही 40 रुपये प्रति किलो बिकने वाली शिमला 150 पहुंच गई है। सब्जियों के दामों में उछाल का कारण उत्पादन कम होना बताया जा रहा है। चम्पावत के मैदानी क्षेत्र टनकपुर में सब्जियों के दामों ने बजट बिगाड़ दिया है। टमाटर के बाद अब शिमला मिर्च के दामों में तीन गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। सब्जी विक्रेता अनिल कुमार ने बताया कि बीते एक माह में इन सब्जियों के दामों में 100 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

प्रयावरणमित्रों ने सीएम के नाम का ज्ञापन सौपा भाजपा जिलाध्यक्ष को

रुद्रपुर। ठेका सफाई कर्मियों ने स्वच्छता समायोजन की मांग करते हुए नगर में रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज ठेका प्रथा समाप्त किए जाने की भी मांग की। मांगों को लेकर आज सोमवार को नगर पालिका में तालाबंदी के बाद एक अगस्त से क्रमिक अनशन शुरू करने की चेतावनी दी। रविवार को भाजपा नेता अश्विनी कुमार के नेतृत्व में सैकड़ों ठेका सफाई कर्मी वाल्मीकि मंदिर स्कैनिया मोड़ पर एकत्र हुए। यहां से कर्मियों ने पालिकाध्यक्ष गुलाम गौस व ईओ के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नगर में विरोध मार्च निकाला। भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा के कार्यालय में पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उन्हें सौंपा। ज्ञापन में कहा कि 27 जुलाई को बोर्ड की बैठक में सभी सभासदों ने ठेके पर कराई जा रही नगर की सफाई व्यवस्था को समाप्त करने को सर्वसम्मति से बिल पास किया था। अश्विनी कुमार ने कहा बोर्ड की बैठक में ठेका प्रथा समाप्त कर मोहल्ला स्वच्छता समितियों में बेरोजगार पर्यावरण मित्रों को रखने पर सहमति बनी थी, लेकिन पालिकाध्यक्ष हठधर्मिता पर उतारू हैं। उन्होंने कहा कि यदि नगर की सफाई व्यवस्था स्वच्छता समिति पर्यावरण मित्रों से कराई जाए, तो 19 लाख के बजाय सिर्फ 9 लाख रुपये में ही काम हो सकता है। चेतावनी दी कि मांगें नहीं माने जाने पर सोमवार को पालिका में तालाबंदी के बाद एक अगस्त से सभी सफाई कर्मी पालिका के बाहर क्रमिक अनशन शुरू करेंगे।

हिसालु संस्था ने किया वृक्षारोपण

अल्मोड़ा। हिसालु संस्था द्वारा एक वृक्षारोपण कार्यक्रम रविवार को कोसी बैराज में किया गया। वृक्षारोपण में वन विभाग अल्मोडा द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। अल्मोड़ा वन विभाग द्वारा संस्था को पौधे भी उपलब्ध कराए गए। संस्था के अध्यक्ष कृष्ण बहादुर सिंह ने कहा कि संस्था इस प्रकार के वृक्षारोपण कार्यक्रम भविष्य में भी चलाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि संस्था के इस वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य है कि वृक्षारोपण के द्वारा नदी, नालों, धारों के जलस्तर में वृद्धि करना ताकि भविष्य में इनमें भरपूर पानी उपलब्ध हो सके।

अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी रोकथाम दिवस पर हुई गोष्ठी

पिथौरागढ़। भारत–नेपाल सीमा पर अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी रोकथाम दिवस पर गोष्ठी हुई। इस दौरान वक्ताओं ने गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी को मानव तस्करी की मुख्य वजह बताई।

रविवार को व्यापार संघ अध्यक्ष भूपेंद्र थापा ने कहा मानव तस्करी एक गंभीर और संवेदनशील समस्या बनकर उभर रही है। मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी के बाद मानव तस्करी दुनिया में सबसे बड़ा संगठित अपराध है। भारत–नेपाल बॉडर होने के कारण मानव तस्करी की संभावना अधिक है। वरदान सेवा संस्था की अध्यक्ष सुमन वर्मा ने कहा गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी के कारण मानव तस्करी होती है।

जिला पंचायत से कराएं जिला योजना के कार्य

पिथौरागढ़। जिला पंचायत के डीबीसी सदस्यों ने प्रशासन से जिला योजना के कार्य जिला पंचायत से कराने की मांग की है। नगर के भाटकोट स्थित डीएम कैंप कार्यालय में बीते रोज डीबीसी सदस्यों ने जिलाधिकारी रीना जोशी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जिला योजना के कार्य जिला पंचायत से कराने को लेकर डीएम के साथ चर्चा की।

रविवार को जिला पंचायत अध्यक्ष दीपिका बोहरा ने बीते दिनों हुई बारिश के कारण नुकसान से भी डीएम को अवगत कराया। उन्होंने कहा बारिश से जगह–जगह पेयजल, सड़क और अन्य पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हुए हैं। यहां जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोमल मेहता, पुष्प चन्याल, रुकमणि जोशी, गंगोत्री दताल, निर्मला महर, बिनीता पाल, दीपिका भट्ट, सुनीता देवी, सरला देवी, महेश राम, नंदन बाफिला, कल्याण राम रहे।

एसएसबी की महानिदेशक ने सितारगंज वाहिनी का किया निरीक्षण

रुद्रपुर। सशस्त्र सीमा बल महानिदेशक रश्मि शुक्ला ने 57 वाहिनी एसएसबी का निरीक्षण किया। दो दिवसीय दौरे पर पहुंची रश्मि शुक्ला के वाहिनी मुख्यालय पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कमांडेट मनोहर लाल ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बटालियन में हो रहे कार्यों की जानकारी दी। मुख्यालय में आयोजित सैनिक सम्मेलन में अधिकारियों और बल कर्मियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सैनिकों की समस्याओं को सुना और सुझाव भी लिए। महानिदेशक ने जवानों के साथ मोटे अनाज से तैयार भोजन को ग्रहण किया। बाद में पौधरोपण

किया गया गया। कमांडेंट ने इस वर्ष क्षेत्र में किए गए पौधरोपण और जागरूकता अभियान की जानकारी दी। सामूहिक भोजन ग्रहण कर पौधारोपण किया। दो दिवसीय भ्रमण में महानिदेशक रश्मि शुक्ला ने 57 वाहिनी एसएसबी की सीमा चौकी बनबसा एवं बूम का भ्रमण किया।

सीमांत मंच में चार दिन से बीएसएनएल की संचार सेवा ठप

चम्पावत। सीमांत मंच गांव में चार दिन से बीएसएनएल की संचार सेवा ठप है। इस वजह से ग्रामीणों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ग्रामीणों ने सरकार से किसी अन्य कंपनी का नेटवर्क स्थापित करने की मांग की है। रविवार को मंच तामली निवासी राहुल सिंह, पूर्व प्रधान विपिन जोशी, मोहन सिंह, राकेश सिंह ने बताया कि चार दिन से लोगों के फोन पर नेटवर्क नहीं हैं। जिस कारण लोग अपनों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया सप्ताह में एक दिन भी अच्छे नेटवर्क नहीं आते हैं।

गुलदार पकड़ने को हजारों खर्च किए, मिले पैर के निशान

चम्पावत। गजार गांव में गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने हजारों रुपये खर्च कर दिए। लेकिन गुलदार की हलचल तक नहीं दिखाई दी। ग्रामीणों को बीते दिन प्रावि के पास गुलदार के पंजे के निशान मिले हैं। 15 दिन बाद गुलदार की मूवमेंट नहीं आई तो वनकर्मी गांव छोड़ अपने ठिकाने पर आ गए हैं।

धूरा ग्राम पंचायत से लगे गजार गांव में दो जुलाई को चारा पत्ती लेने जंगल गई 38 वर्षीय चंद्रावती को गुलदार ने मार डाला था। जिसके बाद वन विभाग ने घटनास्थल से करीब 500 मीटर पहले और आबादी से करीब डेढ़ किमी दूर गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है। वहीं, वन विभाग ने दस हजार से अधिक के पटाखे फोड़ डाले हैं। 15 दिनों से

गजार गांव के ही पुराने मकान में रहकर गश्त करने वाली वनकर्मियों की टीम अब गांव से वापस लौट गई है। हालांकि गश्त जारी है। गुलदार की ट्रेसिंग के लिए लगाए कैमरों में भी वह कैद नहीं हो सका।

गुलदार की कोई भी गतिविधि अभी कैमरों में कैद नहीं हुई है। विद्यालय के पास पैरों के निशान मिले हैं, जिसका मिलान किया जा रहा है। वन कर्मियों की टीम लगातार गांव में गश्त कर रही है। – गुलजार हुसैन, रेंजर, बूम रेंज, टनकपुर।

शहर कांग्रेस का बंसल के खिलाफ प्रदर्शन

नई टिहरी। शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने राज्य सभा सांसद नरेश बंसल के खिलाफ जुलुस–प्रदर्शन करने के बाद बंसल का पूतला फूंकते हुए उन पर इंडिया शब्द का अपमान करने का आरोप लगाया। कांग्रेसियों ने पीएम मोदी से बसंल की राज्य सभा सदस्यता तत्काल खत्म करने की मांग भी की।

नरेश बंसल पर इंडिया शब्द का अपमान करने का आरोप लगाने हुए जुलुस–प्रदर्शन करने के बाद कांग्रेस के शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने कहा कि बंसल ने इंडिया शब्द का अपमान किया है, जो दुर्भाण्पुर्ण है। पीएम नरेंद्र मोदी को चाहिए कि सांसद बंसल की राज्यसभा सदस्यता समाप्त करे। जबकि सांसद नरेश बंसल को चाहिए था, कि अंकिता भंडारी कांड, मणिपुर घटना, बेरोजगारी, देश में बढ़ रहे महंगाई और भ्रष्टाचार के बारे में अपनी बात को रखते, लेकिन जिस प्रकार से उन्होंने इंडिया शब्द का अपमान किया यह बहुत ही निंदनीय है और देश इसे सहन नहीं करेगा। प्रदेश महामंत्री विजय गुनसोला तथा प्रताप नगर कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मान सिंह रौतेला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सांसद अब बेलगाम हो गए हैं। उन पर कोई भी कंट्रोल नहीं लगा पा रहा हैं। लोकतांत्रिक संस्थाएं संकट में हैं।इस दौरान कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष कांग्रेस कुलदीप पंवार, प्रदेश महामंत्री विजय गुनसोला, पूर्व जिलाध्यक्ष सूरज राणा, साब सिंह सजवान, मान सिंह रौतेला, देवेंद्र नौडियाल,ज्योति प्रसाद भट्ट , महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, दर्शनी रावत, ममता उनियाल, लक्ष्मी रावत, किशोर सिंह मंद्रवाल, खुशीलाल, संजय रावत, हिमांशु रावत, निहाल सिंह नेगी, शंभू भंडारी, घनश्याम पवार, सोहन सिंह रावत, राजू शर्मा, धनवीर कलूड़ा ,असद आलम ,भजन सिंह रावत, मदन सिंह पंवार, विनोद सिंह रावत आदि शामिल रहे।

मशरूम खाने से बीमार हुए लोगों को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई टिहरी। देवप्रयाग के सिलोड़ गांव में जंगली मशरूम खाकर बीमार पड़े नेपाली मजदूरों की स्थिति उपचार के बाद खतरे से बाहर होने पर अस्पताल से उन्हें छुट्टी दी गई है। चिकित्सकों सभी को एक हफ्ते तक आराम करने की सलाह दी है। तहसीलदार देवप्रयाग मानवेंद्र बर्त्वाल ने बताया कि कीर्तिनगर एसडीएम सोनिया पंत के निर्देश पर कानूनगो उत्तम सिंह राणा ,राजस्व उप निरीक्षक संजय शाह और मनोज बागड़ी को सीएचसी पिलखी जाकर नेपाली मजदूरों को बेहतर उपचार की व्यवस्था के बारे में कहा गया था। तहसीलदार ने स्वंय सिलोड़ गांव जाकर ग्रामीणों से पूछताछ की, जिसमें आठ नेपाली मजदूरों के अनजाने में जंगली मशरूम खाने की बात सामाने आई है। ग्राम प्रधान तनुजा बडोनी ने सीएचसी पिलखी की चिकित्सक उषा भट्ट और स्टाफ द्वारा नेपाली मजदूरों के उपचार किये जाने पर प्रशंसा की है।

कांवड़ यात्रा का ढोल नगाड़ों से किया स्वागत

चमोली। हर साल आयोजित होने वाली दो दिवसीय महामृत्युंजय महादेव कांवड़ यात्रा रविवार सुबह कर्णप्रयाग संगम से गंगाजल लेने के लिए नारायणबगड़ से रवाना हुई। इसबार की कांवड़ यात्रा में बडी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई हैं। नारायणबगड़ से रविवार सुबह ढोल नगाड़ों के बीच ब्लाक प्रमुख यशपाल नेगी ने कांवड़ यात्रा को रवाना किया।भोले के जयकारों के साथ कांवड़ियों के जत्थे वाहनों पर सवार होकर कर्णप्रयाग संगम पर पहुंचे। पिंडर तथा अलकनंदा नदी के संगम पर कांवड़ियों ने स्नान कर मां गंगा की पूजा अर्चना की ओर यज्ञ करने के बाद कांवड़ में जल भर कर कांवड़ यात्रा का आगाज किया। इस दौरान कर्णप्रयाग से नारायणबगड़ के बीच कांवड़ यात्रा का जगह जगह स्वागत और सत्कार किया गया। कर्णप्रयाग में विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों को जलपान कराया और फल वितरित किए। देर शाम कांवड़ यात्रा रात्रिविश्राम के लिए नारायणबगड़ पहुंची।इस मौके पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया। सोमवार सुबह कांवड़ यात्रा नारायणबगड़ से प्रस्थान कर मृत्युंजय महादेव मंदिर देवधूरा पहुंचेगी। जहां जलाभिषेक करने के साथ ही कांवड़ यात्रा का विधिवत समापन होगा। कांवड़ यात्रा में महामृत्युंजय महादेव कांवड़ यात्रा समिति के संयोजक दलीपसिंह नेगी, अध्यक्ष रामबहादुर सलामी, बिक्रम परिहार, मंदिर समिति के अध्यक्ष बृजमोहन बुटोला, जयपाल बुटोला, देवेन्द्र परिहार, अब्बलसिंह,प्रेमसिंह, मृत्युंजय परिहार, महिला कांवड़ यात्रा समिति की अध्यक्ष जयंती देवी, विमला देवी, कमला देवी, गणेशी शाह, शशि देवी समेत बडी संख्या में कांवडिये शामिल हुए।

अलकनंदा नदी तट पर फंसे बैल का किया सुरक्षित रेस्क्यू

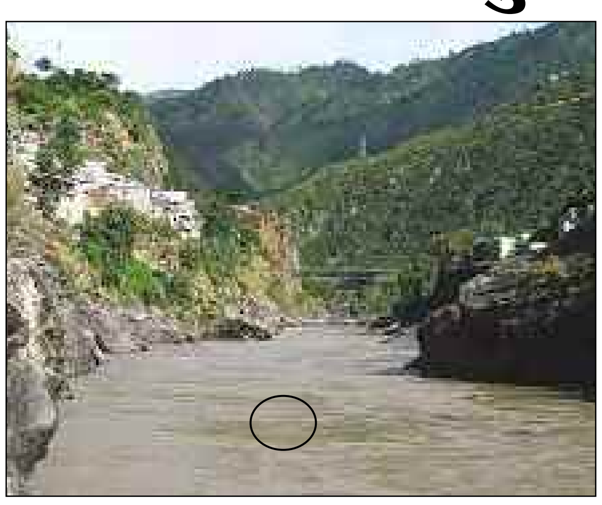

नई टिहरी। देवप्रयाग स्थित अलकनंदा नदी तट पर दो दिनों से फंसे बैल का थाना देवप्रयाग, थाना बाह बाजार पुलिस के साथ स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर जान बचाई। बीते शुक्रवार शाम को बाढ़ में बहकर आया एक बैल देवप्रयाग तहसील मुख्यालय के नीचे अलकनंदा नदी में फंस गया। समाज सेवी सुधीर मिश्रा ने पुलिस से उसको निकालने का अनुरोध किया गया।

मगर रात में दो सौ मीटर नीचे जाना काफी जोखिम भरा होने पर पुलिस ने सुबह रेस्क्यू कर बैल को निकालने की बात कही। उधर पानी बढ़ने से बैल के बहने की आशंका देखते सुधीर मिश्रा, सभासद रूपेश गुसाई, राकेश बंदोलिया, विमल मिश्रा, राकेश पंत ने पुलिस से रस्सी, लाइफ जैकेट, सर्च लाइट लेकर शनिवार रात करीब साढ़े दस बजे बैल का रेस्क्यू शुरु किया। एक पेड़ के तने पर रस्सी बांध सभी लोगों नदी किनारे उतरे। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद साढ़े 12 बजे रात बैल को 15 फीट ऊपर तक खींच लिया गया,जिसके बाद कई दिन से भूखे बैल को घास, गुड़,आटा खिलाया गया।

रविवार सुबह थाना प्रभारी बाह बाजार सुनील पंवार,एसएसआई थाना देवप्रयाग अनिरुद्ध मैठाणी, एचसी सुभाष कठैत, रविंद्र सिंह, दरमियान सिंह, प्रताप सिंह आदि ने रेस्क्यू अभियान चलाकर काफी कठिनाई से बैल को खाई से बाहर खींचकर उसकी जान बचा ली।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही सरकारः रावत

देहरादून। प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। यह बात रविवार को उत्तरांचल प्रेस क्लब में उत्तराखंड की नौनी गाने को लॉंच करने के दौरान बतौर मुख्य अतिथि शिक्षा एवं चिकित्सा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कही। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कोरोना वॉरियर्स को रोजगार देने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। विधायक राजपुर रोड खजानदास ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि हमारे राज्य की नौनियां आज हर पटल पर अपना नाम रोशन कर रही हैं। भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी ने कहा कि इस मंच के माध्यम से महिलाओं को संगठित होने का मौका मिला है। इस दौरान आयोजक नलिनी गोसाईं, मंच संचालन कर रही हेमलता नैथानी, उमा संस्था की अध्यक्ष साधना शर्मा, गीत के लेखक जसपाल राणा, म्यूजिक देने वाले अमित वी कपूर, डायरेक्टर विनय चानना, सिंगर अभिलाषा सती, मीरा आदि मौजूद थे।

पंपिंग योजना में मानकों के अनुरूप कार्य नही होने पर भड़के

नई टिहरी। यमुना कांडी पंपिंग योजना पर मानकों के अनुरूप कार्य न होने के कारण स्थानीय लोगों में गुस्सा है। जांच के लिये गई विभागीय टीम को स्थानीय लोगों के गुस्से का सामना भी करना पड़ा। जल निगम के एसई के आश्वासन के बाद लोग शांत हुये। नैनबाग के क्षेत्र के यमुना कांडी पंपिंग योजना पर बीते एक वर्ष से कार्य चल रहा है, लेकिन मानकों के अनुरुप कार्य नहीं होने से स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत कार्यदायी जल निगम के साथ सीएम पोर्टल पर की। बीते शनिवार को जल निगम के अधीक्षण अभियंता आलोक कुमार के नेतृत्व में एक टीम योजना पर हुये कार्यों के लिये निरीक्षण के लिये मौके पर पहुंची। ग्राम पंचायत कांण्डी के ग्राम प्रधान रामचंद सिंह रावत ने कहा कि पंपिंग योजना पर हुये घटिया कार्यों को लेकर स्थानीय लोग कई बार जल निगम के अधिकारियों से शिकायत कर चुके है, लेकिन शिकायत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीते कई वर्षों से पेयजल के कारण परेशान सिलवाड़ और अठज्यूला पट्टी सहित कांण्डी मल्ली, तल्ली सहित आठ गांव के लोग पंपिंग योजना के निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया यमुना कांडी पंपिंग योजना कार्य गुणवत्ता के मुताबिक कार्य नहीं हो रहे हैं। ठेकेदार द्वारा घटिया पाइप लाइन बिछाने के साथ पाइप लाइन रोकने के सीमेंट के पिंलर बनाये जाने चाहिए थे, लेकिन ठेकेदार द्वारा जगह जगह लकड़ी के गुटके लगाकर पाइपों को रोका जा रहा है, जिससे भविष्य में पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने का खतरा हो सकता है। उन्होंने जल निगम के अधीक्षण अभियता को पंपिंग योजना निर्माण कार्यों में हुई खामियों को बताया। साथ जल्द सभी खामियों को दुरुस्त करने की मांग की। अधीक्षण अभियंता अलोक कुमार ने कहा कि ग्रामीणों द्वारा योजना में जो जो कमियां बताई गई है, उन सभी को मानकों के अनुरूप पूरा करने के साथ जीआई पाइपों का थर्ड पार्टी से निरीक्षण करवाया जाऐगा। योजना की निगरानी के लिये स्थानीय ग्रामीणों की समिति भी बनाने पर सहमति दी। समिति योजना के निर्माण कार्यों की निगरानी करेगी। मौके पर ईई केश-ावानंद सेमवाल, मुकेश नेगी, सुरेश सजवाण, महिपाल सजवाण, विक्रम सिंह, सुरेंद्र दास, राकेश रावत, राजेश सजवाण आदि उपस्थित थे।

उत्तराखंडियों को बचाने के लिए सशक्त भू कानून जरूरीः बिंजोला

विकासनगर। पछुवादून गढ़वाल सभा की बैठक में राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की गई। इन मुद्दों के समाधान के लिए सेलाकुई गढ़वाल सभा, हरबर्टपुर गढ़वाल सभा, उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया गया।

रविवार को दिनकर विहार स्थित गढ़वाल सभा भवन में आयोजित बैठक में सभा के अध्यक्ष राजेंद्र बिंजोला ने कहा कि उत्तराखंडियत को बचाने के लिए प्रदेश में सशक्त भू कानून लागू किया जाना जरूरी है। भू कानून लागू नहीं होने से यहां के जल, जंगल, जमीन पर बाहरी लोगों का कब्जा बढ़ता जाएगा। इसके साथ ही स्थाई निवास के बदले मूल निवास को लागू किया जाना जरूरी है। कहा कि अलग राज्य की अवधारणा को सफल बनाने के लिए विधान सभा क्षेत्रों का परिसीमन जनसंख्या के बजाय क्षेत्रफल के आधार पर किया जाना चाहिए।

बताया कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किए जाने से गढ़वाल और कुमाऊं के पर्वतीय जिलों का प्रतिनिधित्व न्यून हो जाएगा, जिसका प्रभाव पहाड़ी क्षेत्रों के विकास पर पड़ेगा। हरबर्टपुर गढ़वाल सभा के प्रतिनिधि अनिल कांडपाल ने कहा कि गढ़वाल और कुमाऊं मूल के प्रवासियों को अपने पैतृक गांव से संबंध बनाए रखने होंगे, जिससे वहां की मूल समस्याओं की जानकारी मिल सके। सरकार के सामने पहाड़ी जिलों की समस्याओं को रखते हुए स्थानीय बाशिंदों को भी साथ रखना होगा, जिससे वो बेहतर तरीके से अपनी समस्याएं रख सके।

इस दौरान संतोष रावत, सुमन मोहन ममगाईं, त्रिलोक सिंह रावत, हेमचंद्र सकलानी, डॉ. कामेश्वर डिमरी, शंभू प्रसाद नैथानी, कमलेश रावत, बीना डोभाल, सरिता रावत, मंगला नेगी, जीवन सिंह सजवाण, मोहन लाल रतूड़ी, पूरण चंदोला, नवनीत बिजल्वाण, नरेंद्र कुकरेती, रविंद्र बिष्ट, सर्वेश दत्त खाली आदि मौजूद रहे।

काश्तकारों ने प्रशासन से बंदरों को पकड़ने की मांग की

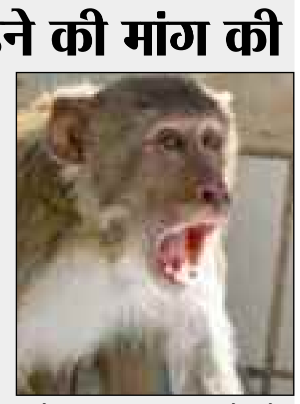

रुद्रप्रयाग। विकासखंड जखोली की ग्राम पंचायत बजीरा, जखोली, कपणियां, बरसिर, मयाली में बंदरों व जंगली जानवर काश्तकारों के लिए मुसीबत बन गए हैं। फसल, सब्जी,कीवी सहित अन्य काश्तकारी को बचाने के लिए काश्तकार रात–रात भर खेतों में पहरा देने को मजबूर हैं। काश्तकारों का कहना है कि इन क्षेत्रों में पिछले कई सालों से सूअर, सांभर और बंदरों का आतंक बना हुआ है। काश्तकार महावीर सिंह राणा ने बताया कि वन विभाग आसपास के क्षेत्रों से बंदरों को पकड़ कर बजीरा गांव को प्रयोगशाला बना रहा है। दिन में बंदर फसलों को चौपट कर रहे हैं तो शाम होते ही सूअर फसलों को रौंद रहे हैं। जंगली सूअरों ने इन गांवों की उपजाऊ भूमि को खोद खोदकर तहस नहस कर दी है। यहां तक कि लोगों ने पशुओं के लिए रखा गया चारा घास,चरी,बाजरा व अन्य घास भी सुरक्षित नहीं है और उसकी भी सूअरों ने खोदाई कर मिट्टी में मिला दिया है। काश्तकारों का कहना है कि आदमी करे तो करें क्या,कुछ समझ नहीं आता।

बेनीताल महोत्सव नौ अगस्त से

चमोली। प्रस्तावित एस्ट्रोविलेज बेनीताल में आयोजित होने वाले दो दिवसीय शहीद स्मृति मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। रविवार को मेला समिति स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित मेला आयोजन की रणनीति पर चर्चा की। साथ ही कहा कि मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न सरकारी योजनाओं के जागरूकता कार्यक्रमों पर भी जोर दिया जाएगा। मेला समिति के अध्यक्ष मगन सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कहा गया कि आयोजन के लिए विधायक अनिल नौटियाल से वार्ता की जा चुकी है। वहीं सुरक्षा के लिए पुलिस और सड़क के लिए लोनिवि को अवगत करा दिया गया है। बताया कि मेले में हंस फाउंडेशन स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। वहीं सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए जाने की मांग प्रशासन से की गई है। मेले में लगने वाली दुकानों का पंजीकरण करवाया जायेगा, अवैध शराब की बिक्री को रोकने की मांग भी प्रशासन से की गई है। निर्णय लिया गया कि मेला क्षेत्र की साफ सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष यशपाल कठैत, कोषाध्यक्ष राकेश सिंह कोटियाल, देवेन्द्र सिंह चौहान, पालेश्वर सिंह नेगी, जगदीश सिंह, प्रदीप कठैत, भारती देवी, सीमा देवी, पूनम देवी, पुष्पा देवी, नन्दा देवी, कविता देवी, विमला देवी, पार्वती देवी, मंजू देवी, जयंती देवी, राजमती देवी, वन्दना देवी, स्यामा देवी, सुशीला देवी, लीला देवी, विमला देवी, ललिता देवी, ऋचा देवी, प्रिया देवी, अनिल गुसाईं, सुधीर मिंया, पद्म सिंह नेगी, बहादुर सिंह, विनोद सिंह, प्रधान दीप चंद, खीम सिंह, दीपा देवी आदि उपस्थित थे, संचालन समिति के सचिव बीरेंद्र सिंह मिंगवाल ने किया।

समलौण संगठन ने स्यालकुंड में चारापत्ती के पौधे रोपे

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के ग्राम पंचायत स्यालकुंड के टिपरा नामी तोक में समलौण आंदोलन की राज्य सह संयोजिका सुनीता रावत और ग्राम प्रधान रविन्द्र रावत के नेतृत्व में वन विभाग पौखाल ने समलौण सेना संगठन से जुड़े लोगों विभिन्न चारापत्ती प्रजाति के पौधे उपलब्ध करवाया। जिसके बाद समलौण संगठन से जुडी महिला और पुरुषों ने टिपरा तोक में बांझ, कचनार,भीमल के साथ अन्य चारापत्ती प्रजाति के करीब 500 पौधों का पौध रोपण किया। रोपे गये पौधों की रेखदेख और संरक्षण की जिम्मेदार समलौण संगठन ने ली। समलौण आंदोलन की राज्य सह संयोजिका ने आने वाले समय के लिये पर्यावरण को संजोकर रखने की आवश्यता है।

रुड़की में बंधक बनाकर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म

हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र से एक दिहाड़ी पेशा किशोरी को उसकी ही परिचित युवती ने तीन युवकों को हवाले कर दिया। रुड़की क्षेत्र में तीन दिन तक आरोपियों ने किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया। शिकायत मिलने पर श्यामपुर पुलिस ने किशोरी को रुड़की क्षेत्र से बरामद किया है। इधर, आरोपी युवती एवं उसके परिचित तीनों आरोपी युवकों की तलाश में पुलिस जुट गई है। श्यामपुर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक किशोरी पिछले दो माह से बहादराबाद क्षेत्र में एक ठेकेदार के पास दिहाड़ी मजदूरी कर रही थी। चार दिन पूर्व किशोरी का मोबाइल फोन स्विच ऑफ आने के बाद परिजन उससे मिलने बहादराबाद पहुंच गए। लेकिन किशोरी उन्हें वहां नहीं मिली। परेशान परिजन बहादराबाद पुलिस पहुंचे। जहां से पुलिस ने मामला श्यामपुर का बताकर उन्हें वापस भेज दिया। परिजन श्यामपुर पुलिस पहुंचे। यहां उन्होंने बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। जिसके कुछ देर बाद ही चंडीघाट चौकी प्रभारी अंशुल अग्रवाल ने किशोरी को रूड़की क्षेत्र से बरामद कर परिजन को सौंप दिया। किशोरी ने उसके बाद परिजन से आपबीती बयां की। उसने बताया कि उसकी एक परिचित युवती उसे रुड़की ले गई थी। जहां उसने उसे तीन युवकों के सुपुर्द कर दिया था। युवकों ने कई दिन तक उसके साथ दुष्कर्म किया। यह बात सामने आने पर अवाक रह गए परिजन बेटी को लेकर देवभूमि भैरव सेना संगठन के अध्यक्ष चरणजीत सिंह पाहवा के पास पहुंच गए। जिलाध्यक्ष चरणजीत सिंह ने पूरे परिवार को चंडीघाट चौकी ले जाकर पुलिस को घटनाक्रम से अवगत कराया।

प्रिंयका भारद्वारज को सौंपी जांच

उच्चाधिकारियों के संज्ञान में मामला आने पर शहर कोतवाली में तैनात महिला एसआई प्रिंयका भारद्वाज को मामले की जांच सौंपी गई। पुलिस ने किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद मामले में बंधक बनाकर दुष्कर्म करने, पोक्सो एक्ट के तहत का-र्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों की माने तो आरोपी युवती एवं युवकों को पुलिस ने चिन्हित कर लिया है। जिनकी धरपकड़ के प्रयास जारी है। एसओ विनोद थपलियाल ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द कर ली जाएगी।

गोकसी के लिये ले जाई जा रही तीन गाय पुलिस ने पकड़ी

हरिद्वार। पथरी पुलिस ने गांव सहदेवपुर से एक पिकअप गाड़ी में लदी तीन गाय को छुड़वाया। वहीं, आरोपी चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरु कर दी है।

पुलिस के अनुसार बीती रात ऐथल से ज्वालापुर जा रहे मार्ग पर गांव सहदेवपुर में रात्रि गस्त पर निकले पुलिस कर्मियों ने एक पिकअप गाड़ी को आते देखा। उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन पिकअप चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने उसका पीछा किया। पुलिस को पीछा करता देख चालक गाड़ी सड़क पर ही रोककर खेतों के रास्ते फरार हो गया। पुलिस ने गाड़ी में देखा तो गाड़ी के अंदर तीन गाय मौजूद थी। पुलिस द्वारा गाड़ी को पथरी थाने लाया गया है। पुलिस ने गाड़ी को सीज कर अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर चालक व गो तस्करी करने वालो की जांच में जुटी है। एसएचओ पथरी रमेश सिंह तनवार ने बताया कि गस्त के दौरान एक पिकअप में तीन गाय मिली है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को डेंगू को लेकर जागरूक किया

रुड़की। बाढ़ के बाद स्वास्थ्य विभाग को अब बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में डेंगू फैलने का खतरा सता रहा है। इसे रोकने के लिए विभाग ने अभियान शुरू कर दिया है। पहले दिन एसडीएम व एसीएमओ की अगुवाई में लक्सर तहसील परिसर व केश-ावनगर में साफ, सफाई के अलावा लोगों को इससे बचाव के तरीके बताए गए।

इसी महीने सोलानी नदी का तटबंध टूटने पर आई बाढ़ से लक्सर क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। नगर के अलावा देहात के 30 से ज्यादा गांवों की आबादी में कई दिन तक पानी भरा रहा। पानी उतरने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में डेंगू फैलने की आशंका लग रही है। इससे बचने के लिए विभाग डेंगू बचाओ अभियान चला रहा है।

रविवार को एसडीएम गोपाल राम बिनवाल व एसीएमओ डॉ. अनिल वर्मा ने तहसील परिसर से इस अभियान की शुरुआत की। एसडीएम बिनवाल ने कहा कि डेंगू एक खास मच्छर से फैलता है। इसी मौसम में नाले, नालियों में तथा घर के भीतर या आसपास रखे पुराने बेकार बर्तनों में बारिश का पानी रुक जाता है। इसी पानी में यह मच्छर पैदा होता है। उन्होंने कहीं भी पानी को जमा न होने देने की अपील की। एसीएमओ ने बताया कि डेंगू एक तरह का बुखार है। सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर इसकी निशुल्क जांच की सुविधा है। डेंगू पॉजिटिव मरीज केंद्र से दवा भी मुफ्त ले सकते हैं। बताया कि डेंगू के मरीजों को भर्ती करने के लिए अलग डेंगू वार्ड बनाए गए हैं।

इसके बाद उन्होंने कर्मचारियों के साथ तहसील परिसर व केश-ावनगर मोहल्ले में घूमकर साफ सफाई की। साथ ही लोगों को डेंगू से बचने के तरीके भी बताए।

वन गुर्जर बस्ती घर में मगरमच्छ घुसने से मची अफरातफरी

हरिद्वार। पथरी क्षेत्र के गांव पदार्था स्थित वन गुर्जर बस्ती में एक व्यक्ति के घर में मगरमच्छ घुसने से अफरातफरी मच गई। परिवार के लोग दहशत में आ गये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ते हुए गंगा में छोड़ा। रविवार को गुर्जर बस्ती स्थित याकूब के घर में मगरमच्छ घुस गया। जैसे ही उसके परिवार की नजर मगरमच्छ पर पड़ी तो परिवार के सदस्यों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर की आवाज सुनकर आस पड़ोस के काफी लोग भी मौके पर इकठ्ठा हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे वनकर्मियों ने मगरमच्छ को पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन मगरमच्छ याकूब के घर से निकलकर दूसरे के घर के अंदर घुस गया। घर के सदस्यों ने भाग कर अपनी जान बचाई। राजा जी टाइगर रिजर्व पार्क के वन बीट अधिकारी सलीम के नेतृत्व में मौके पर पहुंची टीम ने कड़ी मसक्कत के बाद मगरमच्छ को कमरे से बाहर निकाला।

आशारोड़ी में पौधरोपण से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया

देहरादून। रोटरी क्लब ने वन विभाग और हिमालय वेलनेस कंपनी के सहयोग से आशारोड़ी में पौधरोपण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वन क्षेत्राधिकारी बीडी तिवारी, अध्यक्ष आरटीएन डॉ. तरूण भाटिया, उपाध्यक्ष आरटीएन डॉ. एस फारूक, आरटीएन अनुपम त्रिवेदी, जहांगीर, रोटरेक्टर डॉ. उपासक एस भाटिया और फरीद अली ने पौधे लगाकर किया। वन क्षेत्राधिकारी बीडी तिवारी ने कहा कि पर्यावरण के प्रति सभी लोगों को सचेत होने की जरूरत है। पर्यावरण तभी संरक्षित रहेगा, जब पौधरोपण कर उनकी देखभाल भी करेंगे। बताया कि विन विभाग अपने स्तर से पूरे प्रयास कर रहा है, लेकिन इसमें जनसहभागिता जरूरी है। इस मैके पर पूर्व ग्राम प्रधान भगवान सिंह बिष्ट, मोहन गुरुंग, सुभाष चंद्र चौधरी, मोहम्मद हुसैन, अंकिता रतूड़ी श्याम सिंह आदि मौजूद रहे।

हनीमून ट्रिप के दौरान चलती ट्रेन से गायब हो गई नवविवाहिता

पटना ,(एजेंसी)। बिहार के किशनगंज जिले में एक नवविवाहित महिला ट्रेन से गायब हो गई। काजल कुमारी अपने पति के साथ 28 जुलाई को नई दिल्ली–न्यू जलपाईगुड़ी सुपरफास्ट ट्रेन में हनीमून के लिए दार्जिलिंग जा रही थीं। दंपति बिहार के मुजफ्फरपुर से ट्रेन में चढ़े थे।

महिला के पति ने कहा, हमारे पास कोच संख्या बी 4 में सीट संख्या 43 और 45 में आरक्षित थी। जब ट्रेन किशनगंज रेलवे स्टेशन पहुंची, तो मेरी पत्नी शौचालय के लिए गई और वापस नहीं लौटी। ट्रेन चलने के बाद मैंने ट्रेन के हर डिब्बे को खोजा लेकिन वह नहीं मिली। फिर मैं मुजफ्फरपुर लौटा और जीआरपी किशनगंज को घटना की जानकारी दी। उन्हें शक था कि वह किसी नशाखुरानी गिरोह का शिकार हो सकती है। उन्होंने कहा कि उसका किसी अन्य व्यक्ति के साथ कोई अवैध संबंध नहीं है। शिकायत के बाद जीआरपी अधिकारियों ने किशनगंज रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला लेकिन वह नहीं मिली। शिकायतकर्ता मुजफ्फरपुर में बिजली विभाग में कर्मचारी है और कुरहनी ब्लॉक का मूल निवासी है। उसने छह महीने पहले महिला से शादी की थी, लेकिन पारिवारिक मुद्दों के कारण शादी के तुरंत बाद वह अपने हनीमून पर नहीं जा सका था।

29वें दिन लगभग 6 हजार श्रद्धालु पहुंचे अमरनाथ

श्रीनगर ,(एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के 29वें दिन करीब 6,000 लोगों ने यात्रा की, जबकि रविवार को 1,974 यात्रियों का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को चल रही अमरनाथ यात्रा के 29वें दिन लगभग 6,000 लोगों ने पवित्र गुफा के अंदर ‘दर्शन’ किए, जबकि 1,974 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रविवार को सुरक्षा काफिले में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा, इन 1,974 यात्रियों में 1,546 पुरुष, 363 महिलाएं, चार बच्चे, 45 साधु और 16 साध्वियां शामिल हैं। इस वर्ष यात्रा के दौरान 36 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो चुकी है। 1 जुलाई को शुरू होने के बाद से, इस वर्ष अब तक 3.8 लाख से अधिक लोग हिमालय गुफा मंदिर की यात्रा कर चुके हैं। इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई और 31 अगस्त को रक्षा बंधन त्योहार के साथ श्रावण पूर्णिमा पर समाप्त होगी।

उभरती प्रौद्योगिकियां शक्ति के महत्वपूर्ण आयाम के रूप में उभरेंगी : जयशंकर

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां (सीईटी) शक्ति के महत्वपूर्ण आयाम के रूप में उभरने जा रही हैं। सेमीकॉनइंडिया सम्मेलन को वीडियो के जरिए संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि सीईटी अब शक्ति के महत्वपूर्ण आयाम में से एक के रूप में उभर रही है। कौन आविष्कार करता है, कौन निर्माण करता है, बाजार हिस्सेदारी क्या है, संसाधन कहां हैं, कौशल किसके पास है, प्रतिभा कहां है ये सब महत्वपूर्ण सवाल हैं।

उन्होंने कहा : चिप निर्माण के लिए लड़ाई का वर्णन बढ़ा–चढ़ाकर किया जाता है, लेकिन इसमें सच्चाई है। काफी हद तक, सीईटी क्षेत्र में चिंताएं इस बात से प्रभावित होती हैं कि कैसे अन्य क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी और उत्पादन प्रभुत्व का लाभ उठाया गया।

लोकसभा चुनावों को लेकर बसपा की नई रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। बसपा ने लोकसभा चुनावों को लेकर अपनी नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसके अंतर्गत पहले की मंडल स्तरीय व्यवस्था को समाप्त करते हुए पूरे उत्तर प्रदेश को नौ सेक्टर में बांट दिया गया है। सभी सेक्टरों में दो से तीन पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। सभी पदाधिकारी अपने लोकसभा क्षेत्रों से संबंधित रणनीति बनाने के लिए स्वतंत्र होंगे और अपने क्षेत्र से संबंधित चुनावी गतिविधियों के लिए सीधे मायावती को रिपोर्ट करेंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, बहुजन समाज पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपना पारंपरिक आधार वोट बनाए रखने की है। इसके लिए उसे दलितों–महादलितों के साथ मुसलमानों का साथ पाना है। पार्टी किसी सांप्रदायिक विभाजन को रोकने के लिए अभी से हर सेक्टर में विशेष पदाधिकारियों की नियुक्ति करेगी जो उसके मतदाताओं के बीच पार्टी की स्थिति को साफ करने का काम करेंगे।

बसपा नेता ने निचले स्तर पर संगठन की गतिविधियों को तेज करने के लिए सीधे पहल की है और कई योजनाओं के सहारे अपने कोर मतदाताओं तक पहुंचने और उन्हें अपने साथ जोड़ने की कोशिश की है। जब से भाजपा ने दलित–महादलित मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के सहारे उनमें दखल देने की कोशिश की है, बसपा का यह वोट बैंक उससे टूटा है। मायावती की सबसे बड़ी चुनौती इसी वोट बैंक को अपने साथ लाना है। यही कारण है कि मायावती का सबसे ज्यादा जोर अपने इन्हीं मतदाताओं की 'घर वापसी' कराने पर है।

यूपी की राजनीति में मुसलमान मतदाताओं का विशेष असर रहता है। मुसलमान अब तक कांग्रेस, सपा और बसपा के बीच बंटते रहे हैं। पसमांदा मुसलमानों के मुद्दे के सहारे इस बार भाजपा भी इन मतदाताओं पर डोरे डालने की कोशिश कर रही है। इससे सपा–बसपा की चुनौती बढ़ गई है। पिछले चुनावों में ये वर्ग पूरी तरह समाजवादी पार्टी के साथ चला गया था जिससे वह भाजपा को सत्ता से दूर रखने में सफल हो सके।

नई परिस्थितियों में कांग्रेस मुसलमान मतदाताओं के बीच राष्ट्रीय स्तर पर सबसे मजबूत विकल्प बनकर उभरी है। ऐसे में बसपा को इस वोट बैंक को अपने साथ जोड़कर रखने की चुनौती बढ़ गई है।

मायावती ने समाजवादी पार्टी के उस बयान की भी कड़ी निंदा की है जिसमें उन्होंने ज्ञानवापी के सर्वे को दूसरे मंदिरों के साथ जोड़कर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हिंदुओं के कई मंदिर बौद्ध धर्म के मंदिरों को तोड़कर बनाए गए हैं। ऐसे में केवल ज्ञानवापी नहीं, बल्कि दूसरे मंदिरों का भी सर्वे होना चाहिए। बसपा नेता मायावती मानती हैं कि यह बयान

सेक्टर पदाधिकारी सीधे मायावती को करेंगे रिपोर्ट

बौद्ध समाज के लोगों को अपने पाले में लाने के लिए चला गया है। यही कारण है कि उन्होंने पुरजोर तरीके से स्वामी प्रसाद मौर्य के इस बयान का खंडन किया है और उसे राजनीति से प्रेरित बताया है।

मायावती ने ट्वीट कर कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य लंबे समय तक भाजपा के साथ जुड़े रहे और तब उन्होंने कभी इस तरह की बयानबाजी नहीं की, लेकिन अब वे समाजवादी पार्टी में रहकर इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन बयानों से बौद्ध समाज के लोग बहकावे में नहीं आएंगे। उनका यह बयान भी दिखाता है कि बसपा अपना जनाधार बचाये रखने के लिए पूरी सतर्क है।

जयपुर में भारी बारिश के कारण सडक़ों पर भरा पानी

जयपुर ,(एजेंसी)। जयपुर में भारी बारिश हुई, जिससे शहर में पानी भर गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शहर में सुबह से ही बारिश शुरू हो गई और देर शाम तक जारी रही।

जयपुर में भारी बारिश के कारण एक मकान ढह गया।

शहर की सबसे व्यस्ततम सडक़ों जलमहल रोड, टोंक रोड, सीकर रोड और एम.आई. रोड पर पानी नदी की तरह बहता नजर आया। चारदीवारी में भी सडक़ पर डेढ़ फीट तक पानी भर गया। द्रव्यवती नदी भी पूरे वेग से बहती हुई देखी गई, जबकि जयपुर जंक्शन पर रेलवे ट्रैक पानी में डूबे हुए दिखाई दिए। मौसम एवं जल संसाधन विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार जयपुर शहर में 158 मिमी (6.2 इंच) बारिश दर्ज की गई। सुबह 3 बजे से दोपहर 1 बजे तक 10 घंटे में बारिश का सबसे ज्यादा असर गोपालपुरा, नारायण सिंह सर्किल, महेश नगर, सीकर रोड, चारदीवारी, दिल्ली बाइपास, शास्त्री नगर, जलमहल इलाके में रहा। उधर, सांगानेर, प्रताप नगर और जगतपुरा इलाके में रुक–रुककर बारिश होती रही। बारिश का सबसे ज्यादा असर चारदीवारी, सिंधी कैंप, जलमहल रोड और रेलवे स्टेशन पर पड़ा।

सडक़ों पर दो फीट तक पानी भरने से कई गाडिय़ां फंस गईं। सिंधी कैंप से संसार चंद्र रोड की ओर जाने वाली सडक़ पर जलभराव के कारण यातायात रोक दिया गया। जौहरी बाजार में भी जलभराव के बाद पैदल और दोपहिया वाहनों का आवागमन ठप हो गया। रेलवे ट्रैक पर पानी भरने के बाद रेलवे प्रशासन ने जयपुर से चुरू, फुलेरा और रेवाड़ी जाने वाली कुछ ट्रेनें रद्द कर दीं।

उमेश पाल हत्याकांड : अतीक के वकील विजय मिश्रा को यूपी एटीएस ने किया गिरफ्तार, कोर्ट में पेशी के बाद भेजे गए जेल

लखनऊ ,(एजेंसी)। उमेश पाल हत्याकांड में यूपी एसटीएफ ने माफिया अतीक अहमद के वकील विजय मिश्रा को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें लेकर प्रयागराज पहुंची है। वहां जिला अदालत में विजय मिश्रा की पेशी हुई। पेशी के बाद कोर्ट के आदेश पर विजय मिश्र को जेल भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, विजय मिश्रा को पुलिस ने शनिवार रात करीब सवा दस बजे लखनऊ के विभूति खंड में होटल हयात रीजेंसी के पास से दोस्तों के साथ कोल्ड ड्रिंक पीने के दौरान उठाया था। तीन गाडिय़ों से पहुंचे पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता से बात की और उन्हें गाड़ी में बैठाकर अपने साथ ले गई।

वकील विजय मिश्रा की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए प्रयागराज के डीसीपी दीपक भूकर ने कहा कि अधिवक्ता विजय मिश्रा, अधिवक्ता उमेश पाल हत्याकांड में वांछित थे। उन्हें गिरफ्तार करके वांछित कार्यवाही की जा रही है।

विजय मिश्रा पर आरोप है कि उसने उमेश की लोकेशन शूटर को दी थी और वह जेल में बंद अतीक के भाई अशरफ से लगातार संपर्क में था। विजय मिश्रा के जूनियर अधिवक्ता हिमांशु पांडेय और उनके करीबी दोस्तों ने इस बारे में बताते हुआ कहा कि पुलिस बिना कोई कारण बताए विजय मिश्रा को अपने साथ ले गई।

बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य की हालत अभी भी नाजुक

कोलकाता ,(एजेंसी)। इलाज का असर होने के बावजूद पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्जी की हालत लगातार गंभीर बनी हुई है, अस्पताल के सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

भट्टाचार्जी को शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।अस्पताल के सूत्रों ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री को इनवेसिव इंटेंसिव वेंटिलेशन और एंटीबायोटिक दवाओं पर रखा गया है। निचले श्वसन पथ के संक्रमण और टाइप– 2 श्वसन विफलता के अलावा, पूर्व मुख्यमंत्री कथित तौर पर किडनी से संबंधित कुछ बीमारियों से भी पीड़ित हैं।मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि भर्ती होने के बाद शुरुआत में भट्टाचार्जी को नॉन–इनवेसिव वेंटिलेशन पर रखा गया था।

जब तक यूक्रेनी सेना आक्रामक है तब तक कोई युद्ध विराम नहीं होगाः पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि वह यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के विचार को खारिज नहीं करते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक श्री पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में अफ्रीकी नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि अफ्रीकी और चीनी पहल शांति खोजने के लिए आधार बन सकती हैं। पर, उन्होंने यह भी कहा कि जब तक यूक्रेनी सेना आक्रामक है तब तक कोई युद्धविराम नहीं हो सकता। श्री पुतिन के बयान के कुछ घंटों बाद रूस ने कहा कि मॉस्को पर यूक्रेनी ड्रोन हमले ने दो कार्यालय ब्लॉकों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने बताया कि शहर के केंद्र के दक्षिण–पश्चिम में

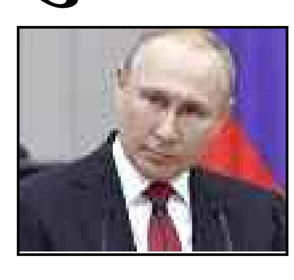

वनुकोवो हवाई अड्डे से उड़ानें थोड़ी देर के लिए निलंबित कर दी गईं और एक व्यक्ति घायल हो गया। यूक्रेन ने ड्रोन घटना पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

शांति वार्ता पर यूक्रेन और रूस दोनों ने पहले कहा है कि वे कुछ पूर्व शर्तों के बिना बातचीत की मेज पर नहीं आएंगे। यूक्रेन का कहना है कि वह किसी भी क्षेत्र को नहीं देगा लेकिन रूस का कहना है कि यूक्रेन को अपने देश की ‘नई क्षेत्रीय वास्तविकता’ को स्वीकार करना होगा। रूस ने पिछले साल अपने पड़ोसी पर आक्रमण किया और देश के दक्षिण और पूर्व में क्षेत्र पर कब्जा कर रहा है। श्री पुतिन ने शनिवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूक्रेनी मोर्चे पर फिलहाल कार्रवाई तेज करने की कोई योजना नहीं है। रूस–अफ्रीका शिखर सम्मेलन पिछले महीने सात देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों सहित एक अफ्रीकी दल की ओर से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और श्री पुतिन से मुलाकात के बाद हुआ है।

श्री जेलेंस्की हाल के दिनों में बखमुत शहर के पास यूक्रेनी विशेष बलों का दौरा कर रहे हैं, जहां युद्ध की सबसे भीषण लड़ाई हो रही है।यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा है कि देश की सेना धीरे–धीरे पूर्वी शहर के पास आगे बढ़ रही है जिसे रूसी सेना ने मई में कब्जा कर लिया था। देश के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि रात भर उत्तर–पूर्वी यूक्रेनी शहर सुमी पर रॉकेट से हमला किया गया जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए।मंत्रालय ने टेलीग्राम पर कहा कि शनिवार शाम एक रूसी मिसाइल ने एक शैक्षणिक संस्थान को निशाना बनाया। बीबीसी ने इस जानकारी की पुष्टि नहीं की है। एक अधिकारी ने कहा कि शनिवार को दक्षिणी यूक्रेनी शहर जापोरिजिया में एक खुले क्षेत्र में मिसाइल हमले के बाद दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया।

बरेली में कांवड़ियों पर लाठीचार्ज

जोगी नवादा में कांवड़ यात्रा को लेकर फिर तनाव, आरएएफ और पुलिस फोर्स तैनात

बरेली, एजेंसी। बरेली के जोगी नवादा में कांवड़ यात्रा को लेकर बीते रविवार को बवाल हो चुका है। अब चक महमूद के कांवडिय़ा इसी इलाके से होकर कांवड़ निकालने पर अड़े थे। जबकि दूसरे समुदाय के लोग इसे नई परंपरा बताकर विरोध कर रहे थे। इससे रविवार को फिर तनाव की स्थिति बन गई। स्थिति को देखते हुए मौके पर आरएएफ और पुलिस लगा दी गई। दोनों पक्षों से वार्ता की गई, लेकिन बात नहीं चली। कांवडिय़ों का जत्था डीजे सिस्टम के बाद आ गया। इस पर पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए कांवडिय़ों को खदेड़ दिया।

सावन के चौथे सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए चक महमूद के कांवडिय़ों का जत्था कछला घाट जाने को है। ये कांवडिय़े जोगी नवादा के एक रास्ते से कांवड़ यात्रा निकालना चाहते हैं। दूसरे समुदाय के लोग इसे नई परंपरा बताकर विरोध कर रहे हैं। इसके चलते सुबह से गहमागहमी बनी हुई थी

कांवड़ के जत्थेदार राकेश कुमार का कहना है कि वर्ष 2008 से वे लोग जत्था ले जा रहे हैं। इबादत स्थल के पास डीजे बंद कर लेते हैं, वो अब भी कर लेंगे। वहीं विरोध करने वाले लोगों में शामिल शराफत अल्वी का कहना है कि इस तरह का जत्था कभी सार्वजनिक रूप से नहीं निकाला गया है। मौके पर एसपी सिटी राहुल भाटी, सीओ थर्ड आशीष प्रताप सिंह, बारादरी थाना प्रभारी अभिषेक सिंह दोनों पक्ष को समझाने में जुटे रहे। डीएम और एसएसपी भी मौके पर पहुंच थे। दोनों पक्षों से वार्ता की। स्थिति बिगड़ता देख शाम करीब साढ़े पांच बजे पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए भीड़ को खदेड़ दिया।

आईएनएस खंजर श्रीलंका के त्रिंकोमाली पहुंचा

नई दिल्ली , (एजेंसी)। दक्षिणी आईओआर में तैनात मिशन, भारतीय नौसेना जहाज खंजर, परिचालन बदलाव के लिए श्रीलंका के त्रिंकोमाली पहुंचा। जहाज का श्रीलंका नौसेना द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया।

जहाज की यात्रा के दौरान, दोनों नौसेनाएं विभिन्न गतिविधियों में शामिल होंगी, जिसमें योजना पर चर्चा, पारस्परिक हित के विषयों पर पेशेवर आदान–प्रदान, खेल कार्यक्रम और नौसेना और समुद्री अकादमी, श्रीलंका के प्रशिक्षुओं द्वारा खंजर का दौरा शामिल होगा। पोर्ट कॉल का उद्देश्य भारतीय नौसेना और श्रीलंका नौसेना के बीच घनिष्ठ संबंधों और अंतरसंचालनीयता को और बढ़ाना है। आईएनएस खंजर स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित खुकरी क्लास मिसाइल कार्वेट का चौथा जहाज है।

बच्चों पर कोरोना महामारी की मार : ट्रैफिकिंग में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, बिहार और तेलंगाना वे राज्य हैं जहां 2016 से 2022 के बीच सबसे ज्यादा बच्चों की ट्रैफिकिंग हुई है। लेकिन महामारी के बाद हालात और विकट हुए हैं। उत्तर प्रदेश में कोरोना काल के बाद ट्रैफिकिंग के मामलों में 350 फीसद का इजाफा देखा गया है। यह चौंकाने वाली जानकारी नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित संगठन कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेंस फाउंडेशन (केएससीएफ) और गेम्स24&7 की एक साझा रिपोर्ट चाइल्ड ट्रैफिकिंग इन इंडिया : इनसाइट्स फ्राम सिचुएशनल डाटा एनालिसिस एंड द नीड फॉर टेक–ड्रिवेन इंटरवेंशन स्ट्रेटजी में सामने आई है। रिपोर्ट में इस आशंका की भी पुष्टि हुई है कि महामारी के पश्चात देश के हर राज्य में बच्चों की ट्रैफिकिंग में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। सबसे खराब स्थिति उत्तर प्रदेश की है। यहां कोरोना से पूर्व 2016 से 2019 के बीच सालाना औसतन 267 बच्चों की ट्रैफिकिंग होती थी जो महामारी के बाद 2021–22 में 1214 तक पहुंच गई। प्रदेश में ट्रैफिकिंग के मामलों में बदायूं जिला पहले नंबर पर है जबकि इसके बाद हरदोई, बहराइच, बरेली और जौनपुर का नंबर है। रिपोर्ट के अनुसार जयपुर ट्रैफिकिंग के शिकार बच्चों को लाए जाने का सबसे बड़ा अड्डा है जबकि इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के चार जिलों का नंबर है। यह रिपोर्ट 30 जुलाई को विश्व मानव दुर्व्यापार निषेध दिवस के मौके पर जारी की गई। बाल मजदूरी के शिकार बच्चों की हालत पर प्रकाश डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि 13 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चे ज्यादातर दुकानों, ढाबों और उद्योगों में काम करते हैं लेकिन सौंदर्य प्रसाधन एक ऐसा उद्योग है जिसमें पांच से आठ साल तक के बहुत छोटे बच्चों से भी काम लिया जाता है।

इस रिपोर्ट में केएससीएफ और उसके सहयोगी संगठनों से 2016 से 2022 के बीच देश के 21 राज्यों के 262 जिलों से आंकड़े जुटाए गए हैं। चौंकाने वाले ये आंकड़े बताते हैं कि छुड़ाए गए 80 प्रतिशत बच्चों की उम्र 13 से 18 वर्ष के बीच थी। साथ ही 13 प्रतिशत बच्चे नौ से बारह साल के बीच थे जबकि पांच प्रतिशत बच्चे नौ साल से भी छोटे थे। केएससीएफ और इसके सहयोगी संगठनों के प्रयासों और हस्तक्षेप से 2016 से 2022 के बीच 18 साल से कम उम्र के 13,549 बच्चों को बाल श्रम और ट्रैफिकिंग से मुक्त कराया गया। इससे भी कहीं ज्यादा रिपोर्ट में बाल मजदूरों का इस्तेमाल कर रहे उद्योगों का वीभत्स चेहरा भी सामने आया है। इसके अनुसार बाल मजदूरों का सबसे बड़ा हिस्सा होटलों और ढाबों में बचपन गंवा रहा है।

अयोध्याः भक्तों के लिए खोला गया श्री रामजन्म भूमि पथ

अयोध्या, एजेंसी। रविवार को श्री रामजन्म भूमि पथ भक्तों के लिए खोल दिया गया। पथ के खुलते ही भक्तों ने रामलला के जयकारे लगाए। यह पथ बिरला धर्मशाला से सुग्रीव किला होते रामलला के दरबार में जाएगा। यह पथ 600 मीटर लंबा व करीब 100 फुट चौड़ा है। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पथ के खुलने से भक्त 500 मीटर कम चलकर दर्शन कर सकेंगे। रामलला के दर्शन और निकासी दोनों इसी पथ से होगी।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में भक्तों की सुविधा के लिए निःशुल्क लॉकर व्यवस्था शुरू की है। जिसमें यात्री अपना कीमती सामान रख सकेंगे। ताकि वह मंदिर कम से कम सामान लेकर जा सकें। इसके साथ ही यात्रियों के सुविधा के लिए सुलभ शौचालय का भी निर्माण कराया गया है। मंदिर ट्रस्ट के महासचिव ने बताया कि इन सुविधाओं से भक्तों को आसानी होगी। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र, विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, कमिश्नर गौरव दयाल, डीएम नीतीश कुमार व एसएसपी राज करण नैयर मौजूद रहे।

मादक पदार्थों की तस्करी में वृद्धि से राजस्थान के अगले ‘उड़ता पंजाब’ बनने का डर

जयपुर ,(एजेंसी)। क्या राजस्थान अगला उड़ता पंजाब होगा? इस सवाल पर सभी हलकों में चर्चा हो रही है, क्योंकि राज्य के सीमावर्ती शहरों में नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले बढ़ गए हैं, जिनकी सीमाएं पड़ोसी राज्यों से मिलती हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के नजदीक राजस्थान के चार जिलों में पिछले ढाई साल में हेरोइन तस्करी के 23 मामले सामने आ चुके हैं।

इन मौकों पर राज्य में 125 किलोग्राम हेरोइन लाई गई। दरअसल पुलिस ने दो साल में एक करोड़ रुपये की नशीली गोलियां, कैप्सूल और इंजेक्शन जब्त किए हैं। पिछले ढाई साल में यहां ड्रग तस्करी के 9000

मामले दर्ज किए गए हैं और 11,000 लोगों को हिरासत में लिया गया।

सूत्रों ने बताया कि हैरानी की बात यह है कि आठ पुलिसकर्मी भी ड्रग तस्करों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। पुलिस टीमों ने पुष्टि की कि पंजाब के तस्कर अब श्रीगंगानगर, बीकानेर और बाड़मेर के रास्ते पाकिस्तान से मादक पदार्थ और हथियार ला रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की कि पिछले कई महीनों में ड्रोन से मादक पदार्थ गिराने के मामले बढ़े हैं। जहां पंजाब में हर 20–30 किलोमीटर पर एक बटालियन होती है, वहीं यहां 50 किलोमीटर की दूरी पर एक बटालियन होती है, जो तस्करों के लिए वरदान है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि पंजाब ने अपनी सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है और सैनिकों की संख्या बढ़ा दी है और इसलिए तस्कर प्लान बी पर काम कर रहे हैं और राजस्थान की सीमाओं पर नजर रख रहे हैं। राजस्थान में एक बटालियन के पास 50 किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखने की जिम्मेदारी है। चूंकि यहां आबादी के साथ–साथ सैनिक भी कम हैं, इसलिए ड्रग तस्कर इन जगहों को स्वर्ग की तरह मान रहे हैं। इन शहरों में श्री गंगानगर, बीकानेर का खाजूवाला और बाड़मेर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जैसलमेर में सीमा पर मजबूत सडक़ नेटवर्क का अभाव है और इसलिए वहां मादक पदार्थों के तस्करों का आना–जाना कम है।

पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करों के तार पंजाब के तस्करों से जुड़े हुए हैं। अब कई तस्करों के राजस्थान के लोगों के साथ पारिवारिक संबंध हैं और इसलिए यहां नशीले पदार्थों की तस्करी में आसानी होती है।

नशीले पदार्थों के व्यापार के जाल को आईएसआई, खालिस्तानी आतंकवादियों और पाकिस्तान के अन्य आतंकवादी समूहों का भी समर्थन प्राप्त है। प्रमुख ड्रग तस्करों के तार पंजाब के तस्करों से जुड़े हुए हैं, जिनकी नजर अब राजस्थान की सीमाओं पर है।

हाल ही में पुलिस ने स्वरूप सिंह नामक व्यक्ति को पंजाब और दिल्ली में हेरोइन सप्लाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। उसने कबूल किया कि उसकी चचेरी बहन की शादी पाकिस्तान में हुई है। पाकिस्तान के बिलाल और गुलाब नाम के दो लोगों ने वहां से उसका नंबर लिया और उससे जुड़े।

उसने अपने पहले प्रयास में हेरोइन के चार पैकेट और फिर नार्मर में हेरोइन के नौ पैकेट गिराए। तस्करों ने उन्हें एक पैकेट के लिए 1 लाख रुपये दिए और फिर इस ‘माल’ को पंजाब और दिल्ली की पार्टियों में पहुंचाया गया।

एडीजी क्राइम दिनेश एम.एन. का कहना है कि टीम यहां ड्रग तस्करों की चेन को खत्म करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम इस मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं, क्योंकि इसका पाकिस्तान कनेक्शन है।

सम्पादकीय

अभिलेखागार में धोखाधड़ी

उत्तराखंड में जमीनों की धोखाधड़ी और बढ़ती हुई कीमतों के पीछे फर्जीवाड़े का भी एक बहुत बड़ा नेटवर्क कम कर रहा है। पिछले दिनों उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जब रजिस्ट्रार कार्यालय में आकस्मिक निरीक्षण किया तो सनसनीखेज खुलासा हुए, कुछ कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई तो वहीं पूरी व्यवस्था को बदलने पर मंथन शुरू कर दिया गया। ना जाने कितने लंबे समय से रजिस्ट्री कार्यालय में जमीनों में धोखाधड़ी का प्रपंच बुना जा रहा था और पत्रावलियों को अभिलेखागारों से गायब कर भूमाफियाओं को लाभ पहुंचाया जा रहा था। स्पष्ट है कि विभागीय कर्मचारियों से लेकर लेखपाल और उच्च अधिकारियों तक की संलिप्तता के बिना यह दुर्गम कार्य आसान नहीं था, लेकिन फिर भी बेधड़क यह सब चल रहा था वह भी ठीक जिला अधिकारी की नाक के नीचे। अब मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्री कार्यालय के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुछ अधिकारियों को निलंबित किया तो पूरे विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। अब प्रश्न यह है की बेहद गोपनीय समझी जाने वाले अभिलेखागार से पत्रावलियां गायब कैसे हुई? निश्चित है बिना मिली भगत के तो कुछ भी संभव नहीं है। बेहद हैरानी की बात है कि कोई भी बेहद आसानी से रजिस्ट्री कार्यालय व अभिलेखागारों से किसी के भी दस्तावेज आसानी से प्राप्त कर लेता है, विभाग ना तो गोपनीयता बरतता है और ना ही दस्तावेज प्राप्त करने वालों से दस्तावेजों को मांगने का कारण एवम संबंध पूछा जाता है। सेटिंग गेटिंग के खेल में दस्तावेजों का आदान–प्रदान होता है जिसका खामियाजा उठाता है जमीन का मालिक। भू स्वामी सोचता है उसकी जमीन सुरक्षित है जबकि उसकी जानकारी के बिना ही उसकी जमीन कब बिक जाती है उसे पता ही नहीं चलता? ऐसे हजारों लाखों मामले अभी भी उत्तराखंड की विभिन्न न्यायालय में धूल फांक रहे हैं। भू माफियाओं का रजिस्ट्री कार्यालय और गोपनीय कार्यालय में ऐसा प्रभाव है कि कर्मचारी भी उनके आगे नतमस्तक ही रहते हैं। जब तक भू स्वामी को अपनी जमीन उसके हाथ से निकल जाने का पता चलता है तब तक एक ही जमीन न जाने कितने हाथों से गुजरते हुए उस स्थिति में पहुंच जाती है जहां भू स्वामी को अपनी ही जमीन को अपना बताने के लिए साल दर सालअदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी को उजागर किया उसके लिए वह बेहद प्रशंसा के पात्र हैं लेकिन भविष्य में इस प्रकार की गलतियां ना हो उसके लिए यह भी जरूरी है कि अब एक पूर्ण गोपनीय अभियान चलाकर अभिलेखागार में जमीनों से संबंधित सभी दस्तावेजों का डिजिटल बैंक तैयार करते हुए खाका बनाया जाए ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने की दशा में भू स्वामी को तत्काल मैसेज के माध्यम से इसकी भनक लग जाए। यही नहीं अभिलेखागार एवं रजिस्ट्री कार्यालय की कार्यप्रणाली में भी व्यापक परिवर्तन की जरूरत है। भू माफियाओं के सरकारी कार्यालय में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की न जाने कितनी ही कोशिश की जा चुकी हैं व दिशा निर्देश पहले भी जारी हो चुके हैं, लेकिन जब कर्मचारी ही उन्हें भाव देने में पीछे नहीं है तो भू माफिया के हौसले आखिर बुलंद क्यों ना हो।

विलुप्ति से बचाना होगा बाघ को

वर्ष 2023 में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 पूरे हो गए हैं। वर्ष 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' नामक एक वैधानिक निकाय की स्थापना की गई, जो वर्ष 2006 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम,1972 के प्रावधानों में संशोधन करके की गई थी। विश्व वन्यजीव कोष के अनुसार, बीसवीं सदी की शुरुआत से ही अवैध शिकार जैसी गतिविधियों में बाघों की पंद्रह प्रतिशत आबादी विलुप्त हो गई थी। देश में प्रत्येक चार वर्ष में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा पूरे भारत में विभिन्न राज्यों के वन विभागों और भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ साझेदारी में बाघों की गणना की जाती है। वर्ष 2018 में 2967 बाघों के साथ ही भारत ने बाघों की संख्या को दोगुना करने के लक्ष्य को चार वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया। भारत दुनिया के 70 फीसद से अधिक बाघों का घर है। एम–स्ट्रिप (मोनिटिरंग सिस्टम फॉर टाइगर्स इंटेसिव–प्रोटेक्शन एंड इकोलॉजिकल स्टेटस) एप्लिकेशन का उपयोग करके पांचवें चक्रकी बाघों की गिनती वर्ष 2022 में की गई थी। वर्ष 2022 में बाघों की संख्या बढक़र 3167 हो गई है।

प्रत्यूष शर्मा

बीघ संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है।

बाघ रॉयल प्रजाति है और विभिन्न संस्कृतियों जैसे हिंदू और बौद्ध धर्म में पूजनीय है। ये पर्यावरण पर्यटन के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करने में भी मदद करते हैं। अवैध शिकार, अवैध व्यापार और आवास के नुकसान के कारण बाघों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। बाघ को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की पहली अनुसूची, अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की लाल सूची (रेड लिस्ट) में 'विलुप्त होने के कगार पर' रखा गया है और वन्य जीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर अभिसमय (साइट्स) के पहले परिशिष्ट में रखा गया है।

बाघों की घटती आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुए सम्मेलन में भारत समेत 13 देशों ने हिस्सा लिया था और यह घोषणा की थी कि बाघ–आबादी वाले देश वर्ष 2022 तक बाघों की आबादी को लगभग दोगुना करने का प्रयास करेंगे। पिछले कुछ वर्षो में बाघों और उनके निवास के आसपास रहने वाले लोगों के बीच टकराव की संख्या में वृद्धि हुई है। इसको रोकने के लिए गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। बाघ संरक्षण के लिए हमारे समक्ष कई चुनौतियां हैं। कुछ लोग बाघों का शिकार पैसे कमाने के उद्देश्य से करते हैं। विश्व भर में बाघों के प्राकृतिक निवास स्थान का लगभग तिरानवे प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो गया है।

इन निवास स्थानों को ज्यादातर मानव गतिविधियों द्वारा नष्ट किया गया है क्योंकि वनों और घास के मैदानों को कृषि जरूरतों के लिए उपयोग किया जा रहा है। बाघों के प्राकृतिक निवास और शिकार स्थान छोटे होने के कारण कई बार बाघ, पालतू पशुओं को अपना शिकार बना लेते हैं और लोग अक्सर जवाबी कार्रवाई करते हुए बाघों को मार देते हैं। बाघों के संरक्षण के लिए भारत सरकार द्वारा कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 1973 में सरकार ने बाघ को भारत का राष्ट्रीय पशु घोषित किया। केंद्र प्रायोजित 'प्रोजेक्ट टाइगर' योजना वर्ष 1973 में शुरू की गई, जिसका उद्देश्य देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों को आश्रय प्रदान करना है। जब प्रोजेक्ट टाइगर शुरू हुआ, तो हमारे पास नौ बाघ अभयारण्य थे। आज हमारे पास 53 बाघ अभयारण्य हैं। उत्तर प्रदेश का

रानीपुर 53वां बाघ अभयारण्य बनाया गया है।वर्ष 2023 में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 पूरे हो गए हैं। वर्ष 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सिफारिशों के बाद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' नामक एक वैधानिक निकाय की स्थापना की गई, जो वर्ष 2006 में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम,1972 के प्रावधानों में संशोधन करके की गई थी। विश्व वन्यजीव कोष के अनुसार, बीसवीं सदी की शुरुआत से ही अवैध शिकार जैसी गतिविधियों में बाघों की पंद्रह प्रतिशत आबादी विलुप्त हो गई थी। देश में प्रत्येक चार वर्ष में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा पूरे भारत में विभिन्न राज्यों के वन विभागों और भारतीय वन्यजीव संस्थान के साथ साझेदारी में बाघों की गणना की जाती है। वर्ष 2018 में 2967 बाघों के साथ ही भारत ने बाघों की संख्या को दोगुना करने के लक्ष्य को चार वर्ष पूर्व ही प्राप्त कर लिया। भारत दुनिया के 70 फीसद से अधिक बाघों का घर है। एम–स्ट्रिप (मोनिटिरंग सिस्टम फॉर टाइगर्स इंटेसिव–प्रोटेक्शन एंड इकोलॉजिकल स्टेटस) एप्लिकेशन का उपयोग करके पांचवें चक्र की बाघों की गिनती वर्ष 2022 में की गई थी। वर्ष 2022 में बाघों की संख्या बढक़र 3167 हो गई है।

वर्ष 2016 में भारत और बांग्लादेश ने साझा प्रयास से एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया था कि सुंदरबन में बढ़ते समुद्री स्तर के कारण 96 फीसद जमीन के डूबने का खतरा बना हुआ है। समुद्री जलस्तर बढने से बाघ आबादी वाले इलाकों की तरफ कूच करेंगे, जिससे मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है। कई टाइगर रिजवरे में अवैध शिकार रोधी अभियानों के लिए विशेष बाघ सरंक्षण बल तैनात किए गए हैं। ई–र्वड परियोजना के तहत बाघों के संरक्षण हेतु उनकी रखवाली और निगरानी की जा रही है। इस कार्य के लिए मानव रहित हवाई वाहनों जैसी उन्नत तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। हमें बाघों को विलुप्त होने से बचाना होगा। हमारा प्राथमिक लक्ष्य बाघों के प्राकृतिक आवासों की रक्षा के लिए एक वैंकि प्रणाली को बढ़ावा देना और बाघ संरक्षण के मुद्दों के लिए जन जागरूकता और समर्थन बढ़ाना है। जहां संभव हो, स्थानीय समुदाय–आधारित संगठनों के साथ भागीदारी को मजबूत किया जाना चाहिए ताकि संघर्ष की स्थितियों को कम करने के साथ संरक्षण योजना और प्रयासों में भागीदारी को और ज्यादा बढ़ाया जा सके।

हर कदम चुनाव के रास्ते

हरिशंकर व्यास

भारत में पहले चुनाव के समय चुनाव होता था और बाकी समय में चुनी हुई सरकारें कामकाज करती थीं। लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब सिर्फ चुनाव के समय चुनाव नहीं होता है, बल्कि सालों भर चुनाव चलता रहता है। सारे काम चुनाव के लिहाज से किए जाते हैं और सारे समय भाषण व रैलियां चुनावी अंदाज में होती हैं। यहां तक कि प्रधानमंत्री सरकारी कार्यक्रमों में भी चुनावी भाषण देते हैं। संसद से लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच तक से प्रधानमंत्री राजनीतिक भाषण करते हैं। अपने विपक्षियों को निशाना बनाते हैं। पिछली सरकारों को नकारा और निकम्मा ठहराते हैं। अपनी उपलब्धियां बताते हैं। कहीं कोई भी घटना हो तो यह विचार होता है कि इसका क्या चुनावी इस्तेमाल हो सकता है। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा आई तो कहा जा रहा है कि आपदा तो केदारनाथ में आई थी और तब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने कुछ काम नहीं किया था। वह आपदा में लोगों को बचा नहीं सकी और न उसके बाद बुनियादी ढांचे का विकास किया। वह सब मोदी की सरकार में हुआ है।

प्रधानमंत्री ने जनवरी 2023 में कह दिया कि अगले लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ चार सौ दिन बचे हैं और भाजपा कार्यकर्ताओं को हर मतदाता के घर घर जाकर उससे मिलना चाहिए। सोचें, चार सौ दिन पहले से कौन चुनाव शुरू करता है। लेकिन भारत में चार सौ दिन पहले ही चुनाव की घोषणा हो गई। वैसे तो भाजपा में अब एक चुनाव के बाद ही अगले चुनाव की तैयारी शुरू हो जाती है लेकिन इस बार चार सौ दिन पहले ही चुनाव का बिगुल बजा दिया गया। उसके बाद हर कदम चुनाव के रास्ते में है। विदेश जा रहे हैं तो वहां प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में राजनीतिक भाषण हैं और नेताओं से गले मिल कर या हाथ मिला कर भारत में विश्वगुरू होने का नैरेटिव बना रहे हैं। विदेश यात्रा से लौट रहे हैं तो हवाईअड्डे पर ऐसा स्वागत हो रहा है, जैसे कोई बहुत बड़ी जंग जीत कर लौटे हैं। लोकसभा चुनाव के साथ साथ राज्यों के चुनाव के हिसाब से अलग काम चल रहा होता है। राजस्थान में नवंबर–दिसंबर में चुनाव होना है तो उससे पहले पिछले छह महीने में प्रधानमंत्री सात बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। हर बार कुछ बड़ी

परियोजनाओं का शिलान्यास या उद्घाटन होता है और कांग्रेस के ऊपर हमला होता है।

समूचे राजनीतिक विमर्श और सरकारी कामकाज में चुनाव कितना अहम है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राम मंदिर का निर्माण और उद्घाटन भी चुनाव के हिसाब से होगा। मार्च में चुनाव की घोषणा होनी है तो जनवरी के अंत में अयोध्या में राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। मंदिर समिति की ओर से प्रधानमंत्री को प्राण प्रतिष्ठा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। उनकी सुविधा के हिसाब से 14 से 24 जनवरी के बीच का कोई दिन तय किया जाएगा। इसी तरह फरवरी–मार्च 2022 में उत्तर प्रदेश का चुनाव होना था तो दिसंबर 2021 में काशी कॉरिडोर का उद्घाटन हुआ था। यहां तक कहा जा रहा है कि इटली और इंडोनेशिया से पहले भारत में जी–20 की सालाना बैठक होनी थी लेकिन इसे दो साल बढ़ा कर सितंबर 2023 में इसलिए कराया जा रहा है ताकि 2024 के चुनाव में विश्वगुरू का नैरेटिव बनाया जा सके।

सो, जो भी कदम है वह चुनाव की राह में है। प्रधानमंत्री ने इस साल चुनावी वर्ष में युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटना शुरू किया है। पांच साल पहले चुनावी साल में किसानों को सम्मान निधि बांटना शुरू हुआ था। प्रधानमंत्री नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं, प्रधानमंत्री सम्मान निधि बांट रहे हैं, प्रधानमंत्री आवास बांट रहे हैं, प्रधानमंत्री अनाज बांट रहे हैं ताकि नमकहलालों के वोट लिए जाएं, प्रधानमंत्री ट्रेनों को हरी झंडी दिखा रहे हैं, प्रधानमंत्री दुनिया के देशों में जाकर रक्षा सौदे कर रहे हैं, प्रधानमंत्री हवन–पूजन करके सरकारी इमारतों का उद्घाटन कर रहे हैं और प्रधानमंत्री ही मंदिरों का शिलान्यास व लोकार्पण कर रहे हैं। सब कुछ प्रधानमंत्री कर रहे हैं क्योंकि प्रधानमंत्री के नाम पर चुनाव लडऩा है। प्रधानमंत्री को मणिपुर पर पीड़ा भी व्यक्त करनी है तो चुनावी राज्यों का जिक्र किए बगैर वह भी नहीं करना है। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई होगी तो वह भी भ्रष्टाचार रोकने के लिए नहीं, बल्कि विरोधियों को परेशान करने के लिए या उन्हें प्रेरित करने के लिए कि वे भाजपा के साथ जुड़ें। पिछले दिनों भारत और बांग्लादेश की महिला क्रिक्रेट टीम का मुकाबला हुआ, जिसमें अंपायर के गलत फैसले की वजह से मैच बराबरी पर छूटा तो संयुक्त रूप से ट्रॉफी उठाते हुए भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने बांग्लादेशी कप्तान से कहा कि अंपायर को भी बुला लो ट्रॉफी उठाने के लिए। उसी तरह भाजपा ने 38 पार्टियों का गठबंधन बनाया तो विपक्ष ने कहा कि सीबीआई, ईडी, आयकर विभाग को भी बुला लो क्योंकि असली सहयोगी तो वे हैं। सो, सरकार चुनाव के लिए है, सरकारी योजनाएं चुनाव के लिए हैं, सरकारी एजेंसियां चुनाव के लिए हैं, मुकदमे चुनाव के लिए हैं, मंदिर चुनाव के लिए हैं और सेना की कार्रवाइयां भी चुनाव के लिए हैं।

रोजाना टोफू का सेवन स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद, जानिए इससे मिलने वाले 5 स्वास्थ्य लाभ

टोफू को सोया पनीर भी कहा जाता है और इसे बनाने के लिए सोयाबीन दूध का इस्तेमाल किया जाता है।यह पनीर की तरह दिखता है, लेकिन इसका स्वाद अलग होता है। इसका इस्तेमाल ज्यादातर वीगन डाइट को फॉलो करने वाले लोग करते हैं।यह पौष्टिक तत्वों से भरपूर होता है, इसलिए इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है।आइये आज हेल्थ टिप्स में टोफू के सेवन से होने वाले 5 लाभ जानते हैं।

मधुमेह से बचाव के लिए है सहायक

मधुमेह की समस्या से बचने के लिए टोफू लाभकारी हो सकता है।एक अध्ययन के मुताबिक, मधुमेह से पीड़ित जिन रोगियों ने 6 हफ्ते तक टोफू खाया है, उनमें ब्लड शुगर और इंसुलिन का स्तर उन लोगों की तुलना में काफी कम हुआ है, जो इसका सेवन नहीं करते हैं।इसके अलावा एक अन्य अध्ययन में बताया गया है कि जो लोग नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, उन्हें टाइप–2 मधुमेह होने की आशंका कम होती है।

हृदय रोगों के खतरे को कम करने में है मददगार

टोफू का सेवन हृदय रोग के खतरे को भी कम कर सकता है।एक अध्ययन के मुताबिक, जिन पुरुष और महिलाओं ने हफ्ते में एक बार टोफू का सेवन किया है, उनमें हृदय रोग का खतरा उन लोगों से कम पाया गया है, जिन्होंने सिर्फ महीने में एक बार इसका सेवन किया है।इसमें मौजूद आइसोफ्लेवोंस हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद करता है, इसलिए इसका सेवन रोजाना करें।

कैंसर के जोखिम से बचाए

टोफू का नियमित सेवन कैंसर से बचाव करने में भी सहायक हो सकता है।इसमें आइसोफ्लेवोंस और सोया प्रोटीन मौजूद होते हैं, जो ब्रेस्ट कैंसर, ओवेरियन कैंसर, पेट के कैंसर आदि के जोखिम को कम कर सकते हैं।हालांकि, यह सिर्फ कैंसर के जोखिम से बचा सकता है, लेकिन अगर किसी को कैंसर है तो उसे डॉक्टर से इलाज करवाना जरूरी है।कैंसर रोगियों को अपनी डाइट में ये फल भी शामिल करना चाहिए।

वजन घटाने के लिए है कारगर

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो टोफू आपके लिए पोषण और वजन कम करने का एक बढिय़ा स्त्रोत हो सकता है।दरअसल, इसमें फाइबर होता है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखता है और अनहेल्दी स्नैकिंग या अधिक खाने से रोकता है।इसके अलावा यह कम कैलोरी, उच्च प्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है, जो आपको सही आकार में रहने में मदद करता है।बिना एक्सरसाइज के वजन घटाने के लिए इन तरीकों को अपनाएं।

हड्डियों के लिए है फायदेमंद

मजबूत हड्डियों के लिए कैल्शियम एक जरूरी पोषक तत्व है।हमारा शरीर करीब 99 प्रतिशत तक कैल्शियम को स्टोर करके रखता है ताकि हड्डियों और दांतों को मजबूती मिल सके।इसके लिए आप अपनी डाइट में कैल्शियम से भरपूर टोफू को शामिल कर सकते हैं।जो लोग दूध या मांसाहारी आहार का सेवन नहीं करते हैं, उन्हें इस पोषक तत्व की आपूर्ति के लिए टोफू को डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

रोजाना एक गिलास व्हीटग्रास जूस का करें सेवन, मिलेगें ये 5 मुख्य स्वास्थ्य लाभ

व्हीटग्रास यानी गेंहू की पत्तियों के जूस का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।इसका कारण है कि इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम, सोडियम, कई प्रकार के अमीनो एसिड जैसे खनिजों के साथ जरूरी मिनरल्स और विटामिन्स भी होते हैं। ऐसे में इसे डाइट में शामिल करना अच्छा है।आइए जानते हैं कि रोजाना एक गिलास व्हीटग्रास जूस का सेवन करने से क्या–क्या फायदे मिल सकते हैं।

वजन कम करने में मिलेगी मदद

अगर आप रोजाना आधा या एक गिलास व्हीटग्रास के जूस पीते हैं तो यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ–साथ वजन घटाने में भी मदद कर सकता है।इस जूस में मौजूद सोडियम की कम मात्रा और उच्च फाइबर मेटाबॉलिज्म को तेज करके वजन कम करने की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है।इसमें मौजूद कम कैलोरी भी इसे वजन नियंत्रित करने के सक्षम बनाती है। ऐसे में इसका सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा होगा कम

कोलेस्ट्रॉल का अनियंत्रित स्तर हृदय रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। इसलिए इसे नियंत्रित रखना जरूरी है।

एक शोध के अनुसार, व्हीटग्रास के जूस में मौजूद हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव रक्त लिपिड का स्तर संतुलित करके खराब कोलेस्ट्रॉल (रुष्ठरु) का स्तर कम कर सकता है।यह फाइबर से भी भरपूर होता है, जो

शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

लीवर को सुरक्षा प्रदान करने में है सक्षम

अगर आप या आपके परिवार में कोई लीवर की समस्या से परेशान हैं तो व्हीटग्रास के जूस का सेवन फायदेमंद हो सकता है।व्हीटग्रास जूस में हेपेटोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं, जो लीवर को नुकसान पहुंचाने वाले कारको से लीवर को सुरक्षा प्रदान करते हैं।यह जूस तीव्र कार्बन टेट्राक्लोराइड टॉक्सिन के खिलाफ भी लीवर की रक्षा में भी लाभकारी हो सकता है। कार्बन टेट्राक्लोराइड लीवर के लिए एक टॉक्सिन का कार्य करता है।

पाचन क्रिया के लिए है फायदेमंद

व्हीटग्रास जूस का सेवन पेट संबंधित समस्याओं से राहत पाने और पाचन क्रिया को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी किया जा सकता है।इसमें प्रीबायोटिक गुण होते हैं, जो शरीर में लैक्टिक एसिड का उत्पादन बढ़ाकर पाचन शक्ति को बेहतर करने का काम करते हैं और आंत को संक्रमण से बचाते हैं।अगर आप पेट संबंधित समस्याओं से बचे रहना है तो अपनी डाइट में व्हीटग्रास जूस को जरूर शामिल करें।

भाजपा क्यों नहीं खत्म कर पाती गतिरोध?

संसद में पहले भी गतिरोध होते थे लेकिन न तो इतने लंबे समय तक टकराव चलता था, न इतनी संख्या में सांसद निलंबित होते थे और न संसद भवन परिसर में इतना प्रदर्शन होता था। आखिर टकराव इतना क्यों बढ़ गया है और यह खत्म क्यों नहीं होता है? इसके पीछे अगर कोई राजनीति है तो वह बहुत डीप सीक्रेट है, जिसके बारे में किसी को अंदाजा नहीं है। लेकिन संसदीय राजनीति को लंबे समय तक देखने वाले सभी लोग इस बात को समझ रहे हैं कि सरकार की कोई वास्तविक मंशा टकराव खत्म कराने की नहीं है।

आखिर संसद के सुचारू संचालन की जिम्मेदारी सरकार की होती है। अगर संसद सुचारू रूप से नहीं चल रही है तो इसका मतलब है कि सरकार की कोई अलग मंशा है।

असल में पिछले कुछ समय में पक्ष और विपक्ष के सांसदों के बीच अनौपचारिक बातचीत लगभग पूरी तरह से बंद हो गई है। पहले अनौपचारिक बातचीत का चैनल हमेशा खुला होता था। पक्ष और विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं के बीच अनौपचारिक बातचीत होती थी।

सांसद सेंट्रल हॉल में एक दूसरे से सहज भाव से मिलते जुलते थे। अनौपचारिक चर्चाओं से कई गतिरोध दूर करने में आसानी होती थी। इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री ऐसे नेता को नियुक्त किया जाता था, जिसका विपक्षी पार्टियों के नेताओं से निजी तौर पर अच्छा संबंध हो। भाजपा की ओर से प्रमोद महाजन से लेकर वेंकैया नायडू और अनंत कुमार तक यह जिम्मेदारी निभा चुके हैं। ये सारे नेता लंबे समय तक दिल्ली की राजनीति करने वाले थे। अब प्रहलाद जोशी संसदीय कार्यमंत्री हैं, जिनका समूचा अनुभव कर्नाटक की राजनीति का है और वहां भी वे महत्वपूर्ण नेताओं में नहीं गिने जाते हैं। इस वजह से भी गतिरोध दूर करने का उपाय नहीं निकलता है। ऐसा नहीं है कि वे अनजाने में संसदीय कार्य मंत्री बन गए हैं या अनजाने में अनौपचारिक बातचीत का चैनल बंद हो गया है।

सीएम धामी ने किया मुख्य सेवक सदन में स्वनिधि परिवार के लाभार्थियों के साथ संवाद

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में स्वनिधि परिवार के लाभार्थियों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वनिधि के लाभार्थियों एवं स्वनिधि के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले बैंकर्स एवं अन्य लोगों को सम्मानित भी किया। स्वनिधि के लाभार्थियों को कुल 09 प्रतिशत ब्याज पर अनुदान केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा 7 प्रतिशत एवं राज्य सरकार द्वारा 02 प्रतिशत का ब्याज पर अनुदान दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत लाभार्थियों को 09 प्रतिशत अनुदान मिलने के बाद जो 3 से 4 प्रतिशत ब्याज देना पड़ता है, आने वाले समय में यह भी राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने शहरों और कस्बों में वित्तीय समावेशन और डिजिटल साक्षरता की एक नई लहर चलाई है। जिससे रेहड़ी–पटरी व फेरी वालों के जीवन को गरिमा और स्थायित्व मिला है। स्ट्रीट वेंडर्स के बीच स्वरोजगार, स्वावलंबन, स्वाभिमान और आत्मविश्वास बहाल करने के उद्देश्य से यह योजना लाई गयी। पहले गरीब आदमी बैंक के भीतर जाने की भी नहीं सोच सकता था। लेकिन आज बैंक वाले खुद आपके पास आ रहे हैं और आपको लोन भी दे रहे हैं यही सम्मान है, स्वावलंबन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज गरीब बैंक से लोन भी ले रहे हैं और ईमानदारी से इसे चुका भी रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की समस्त नगरीय निकायों में 01 जुलाई, 2020 से प्रारम्भ पी0एम0स्वनिधि योजना के तहत प्रदेश में 31 हजार से अधिक फेरी व्यवसायियों द्वारा ऑनलाईन पोर्टल में ऋण हेतु आवेदन किया गया। प्रथम चरण में 16 हजार से अधिक प्रति आवेदक को रू0 10 हजार का ऋण, द्वितीय चरण में लगभग 6 हजार प्रति आवेदक को रू0 20 हजार का ऋण एवं तृतीय चरण में लगभग 600 प्रति आवेदक को रू0 50 हजार का ऋण स्वीकृत किया गया है। अभी तक इस योजना के तीनों चरणों में 22 हजार से अधिक फेरी व्यवसायियों को 31 करोड़ रूपये का ऋण वितरित हो चुका है। 'मैं भी डिजीटल' अभियान के तहत लगभग 16 हजार फेरी व्यवसायियों को बैंकों के माध्यम से क्यू0आर0 कोड उपलब्ध कराते हुए डिजीटल लेन–देन को बढ़ावा दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'स्वनिधि से समृद्धि' योजना के अन्तर्गत पी0एम0स्वनिधि के लाभार्थियों एवं उनके परिजनों को केन्द्र सरकार की 08 कल्याणकारी योजनाओं वन नेशन वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा, मातृ–वन्दन, सुरक्षा बीमा, जनधन, जीवन–ज्योति बीमा, श्रम–योगी मानधन योजना एवं भवन निर्माण श्रमिकों हेतु पंजीकरण जैसी पी0एम0 योजना से प्रदेश के 11 नगरीय निकायों के लगभग 17 हजार पात्र फेरी व्यवसायियों एवं उनके परिजनों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन नेशन वन राशन कार्ड के तहत प्रदेश से बाहर के लगभग 7 हजार लोग लाभान्वित हो रहे हैं, जननी सुरक्षा योजना के तहत गत वर्ष 73 हजार से अधिक गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित कर कुल 9 करोड़ 64 लाख रुपये डीबीटी के माध्यम से उनके खतों में जमा किये गए हैं तथा संबंधित आशाओं को प्रोत्साहन मद में कुल 3 करोड़ 13 लाख रुपये दिए गए। मातृ–वन्दन योजना के तहत प्रदेश के 6 लाख से अधिक माताओं को लाभान्वित किया गया है। पी.एम. श्रम–योगी मानधन योजना के तहत प्रदेश के 39 हजार लोगों को लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन निर्माण श्रमिकों हेतु पंजीकरण के तहत प्रदेश के साढ़े चार लाख (4.50 लाख) से अधिक श्रमिक पंजीकृत हैं। पी0एम0 सुरक्षा बीमा योजना के तहत प्रदेश के 30 लाख से अधिक लोगों को आच्छादित किया गया है। पी.एम. जन–धन योजना के तहत प्रदेश में 34 लाख से अधिक जन–धन खाते खोले गये हैं। पी.एम. जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत प्रदेश के 8 लाख से अधिक लोगों को आच्छादित किया गया है।

इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक अरविन्द पाण्डेय, विधायक अनिल नौटियाल, भूपाल राम टम्टा, सुरेश गड़िया, मोहन सिंह मेहरा, प्रमोद नैनवाल, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, निदेशक शहरी विकास नवनीत पाण्डेय एवं पी.एम स्वनिधि के लाभार्थी उपस्थित थे।

एक नजर

पीएम मातृत्व वंदना योजना में पंजीकरण की अपील

देहरादून। प्रदेश की महिला सशक्तिकरण बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने पीएम मातृत्व वंदना योजना की पात्र महिलाओं को प्राथमिकता पर अपना पंजीकरण कराने को कहा है। रेखा आर्य ने अपील करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में पात्र गर्भवती महिलाओं को कई लाभ मिलते हैं। इसमे के लिए गर्भवती होने पर आंगनबाडी, स्वास्थ्य केंद्र पर पंजीकरण, न्यूनतम एक प्रसव पूर्व सेवा प्राप्त करने, प्रथम बच्चे का जन्म पंजीकरण कराने और बच्चे के टीकाकरण का प्रथम चक्र पूर्ण कराने की शर्त शामिल है। इन शर्तों को पूरा करने पर प्रथम बच्चे के जन्म पर पांच हजार की राशि दो किश्तों में दी जाती है, जबकि दूसरी बालिका के जन्म पर छह हजार की राशि एकमुश्त डीबीटी के माध्यम से लाभार्थी के बैंक खाते में प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि ऐसी गर्भवती एवं धात्री महिलाएं जिनके द्वितीय प्रसव में बालिका का जन्म एक अप्रैल के बाद हुआ हो वो अपना पंजीकरण भारत सरकार पोर्टल पर दिनांक आगामी 31 अगस्त करा सकती हैं। इसके बाद योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा, इसलिए अधिक से अधिक पात्र महिलाएं इसके लिए पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें। इसके लिए आंगनबाड़ी केन्द्र या बाल विकास परियोजना कार्यालय में जाकर मदद ली जा सकती है।

155 लोगों ने आंखों की जांच कराई

विकासनगर। श्री सत्य साईं सेवा समिति ओली चकराता की ओर से रविवार को विवेकानंद हॉस्पिटल देहरादून द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चकराता में एक दिवसीय निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 155 मरीजों का पंजीकरण कर निशुल्क आंखों की जांच की गई। आयोजित एक दिवसीय निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 39 लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाई गई, जिसमें से 29 लोगों को ऑपरेशन के लिए विवेकानंद हॉस्पिटल देहरादून ले जाया गया।

मणिपुर की घटनाओं के विरोध में बनाई मानव श्रृंखला

देहरादून। मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करने और हिसंक घटनाओं के विरोध में उत्तराखंड महिला मंच समेत विभिन्न जन संगठनों ने मानव ऋंखला बनाकर विरोध जताया। आक्रोशित लोगों ने मणिपुर सरकार और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

मणिपुर की सरकार को बर्खास्त कर पीएम और गृह मंत्री से इस्तीफा देने की मांग की है। रविवार को विभिन्न संगठनों के लोग गांधी पार्क में एकत्र हुए। यहां बीज बचाओ आंदोलन के प्रणेता धूम सिंह नेगी, पर्यावरणविद् डॉ. रवि चोपड़ा, पूर्व मुख्य सचिव एसके दास, पूर्व अपर मुख्य सचिव विभा पुरी, पूर्व गढ़वाल कमिश्नर एसएस पांगती, पूर्व शिक्षा निदेशक नंद नंदन पांडेय और महिला मंच की अध्यक्ष कमला पंत के नेतृत्व में मानव ऋखंला बनाकर घंटाघर की ओर बढ़े। मणिपुर और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान जनगीत भी गाए। घंटाघर से वापस गांधी पार्क के मुख्य गेट पर पहुंचे। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि वक्ताओं ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र करने की घटना क्रूरता की सीमा को पार करने वाली घटना है। यह मानव मूल्यों में तेजी से आई गिरावट का नतीजा है। यह महिला सम्मान और बेटी बचाओ के खोखले नारों का भी उपहास है। कहा कि मणिपुर से आने वाली खबरें साफ बता रही हैं कि इस मामले में अब भी लीपापोती की जा रही है। भीड़ में नजर आ रहे एक–एक व्यक्ति की पहचान कर उन्हें सलाखों की पीछे पहुंचाने की मांग की। इस मौके पर गीता गैरोला, निर्मला बिष्ट, उमा भट्ट, राजीव नयन बहुगुणा, अरण्य रंजन समून, शंकर गोपाल, समर भंडारी, विजय भट्ट, इंद्रेश नौटियाल, नितिन मलेठा, हिमांशु चौहान, त्रिलोचन भट्ट, गंगाधर नौटियाल, शंकर गोपाल, गिरधर पंडित, आरिफ खान, नगर काजी, पद्मा गुप्ता, एडवोकेट जितेन्द्र, लेखराज, राजेश पाल, जयकृत कंडवाल, सतीश धौलाखंडी, स्वाति नेगी, पद्मा गुप्ता आदि मौजू रहे।

मन की बात लोगों में ऊर्जा करती हैं संचारःसहदेव

विकासनगर। ग्राम पंचायत भाऊवाला में रविवार को सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने एक कार्यकर्ता के निजी आवास पर क्षेत्रवासियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। कहा प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात समाज के लोगों में ऊर्जा का संचार करने का काम करता है। मन की बात आयोजित कार्यक्रम में विधायक पुंडीर ने कहा प्रधानमंत्री का संबोधन समाज के लिए सदैव ही ऊर्जा संचार करने का काम करता है। कहा प्रधानमंत्री ने अपनी मन की बात में चमोली जनपद का देश प्रथम गांव माणा के भोजपत्र से निर्मित कला कृतियों के सन्दर्भ का भी उल्लेख किया, जिससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी का उत्तराखंड से कितना लगाव है।

भद्रराज मेले का 16 अगस्त को होगा आगाज

विकासनगर। बिन्हार क्षेत्र के मटोगी ग्राम पंचायत अंतर्गत भगवान बलभद्र पौराणिक भद्रराज मंदिर सत्योथात में आगामी 16 और 17 अगस्त को भद्रराज मेले का आयोजन किया जाएगा।

रविवार को भद्राज मंदिर समिति बिन्हार, मसूरी, जौनपुर, पछुवादून की बैठक समिति के अध्यक्ष राजेश नौटियाल की अध्यक्षता में कृषि मंडी सभागार विकासनगर में आयोजित की गई। बैठक में समिति ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में पदाधिकारियों ने मेले में आने वाले, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए क्षतिग्रस्त पैदल मार्गों की मरम्मत करने के साथ–साथ पीने के पानी की व्यवस्था करने की मांग एसडीएम विकासनगर से मिलकर करने का निर्णय लिया। समिति के अध्यक्ष राजेश नौटियाल ने कहा कि द्वापर युग के समय से सत्योथात स्थान पर भगवान बलभद्र यानी स्थानीय भाषा में भद्रराज देवता का मंदिर स्थापित है। उन्होंने कहा कि अगस्त माह में आयोजित होने वाले दो दिवसीय मेले को देखते हुए समिति ने तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बताया कि बागवानी, पशुपालन खेलकूद शिक्षा आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मेले में भद्रराज गौरव रत्न से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति ने यह भी निर्णय लिया है कि भद्राज मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालु अपने कपड़े पहनावे का विशेष ध्यान रखें। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष राजेश नौटियाल ने अपनी कार्यकारणी का विस्तार भी किया गया, जिसमें जिसमें चंद्रपाल सिंह तोमर, दिनेश पंवार को उपाध्यक्ष, उपकोषाध्यक्ष अरविंद तोमर, सहसचिव रमेश तोमर, मंदिर व्यवस्थापक विशेष रावत और मनोज तोमर को नियुक्त किए गए। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष बलवंत सिंह तोमर, सचिव शिवराज सिंह तोमर ,सह सचिव, श्रीपाल सिंह रावत, कोषाध्यक्ष महावीर सिंह रावत, बचन सिंह पुंडीर, संतराम सिंह तोमर,मंदिर व्यवस्थापक विक्रम सिंह पुंडीर, कल्याण सिंह चौहान, संतराम पवार, निजाम सिंह रावत,ऋषि पाल सिंह तोमर, अजय रावत, गुड्डू पुंडीर ,राजेंद्र प्रसाद नौटियाल, विनोद नौटियाल आदि सदस्य मौजूद रहे।

भूस्खलन से बंद रहा मसूरी–देहरादून मार्ग

देहरादून। मसूरी–देहरादून मार्ग पर रविवार शाम चार बजे भारी बारिश के बीच भूस्खलन हो गया। यहां पानी बैंड के समीप सड़क काफी देर तक बाधित रही। बाद में जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर यातायात चालू किया गया। रविवार शाम को पानी बैंड के समीप भूस्खलन होने से मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। इससे पर्यटकों के साथ ही स्थानीय निवासियों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ा। मलबे के बीच ही लोगों ने रास्ता बनाकर एक तरफ के वाहनों को रोककर दूसरे तरफ से वाहनों का संचालन शुरू किया। करीब आधे घंटे बाद लोक निर्माण विभाग ने मौके पर जेसीबी भेजकर मलबे को हटाया। तब जाकर दोनों तरफ से यातायात चालू हो पाया। मसूरी से लौट रहे पर्यटक सुखविंदर सिंह ने बताया कि यहां पर भूस्खलन होने से मार्ग बाधित हो गया था जिसके चलते उन्हें आधे घंटे तक यहां पर फंसे रहना पड़ा। लोक निर्माण विभाग के जेई पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि कहा कि जिन जगहों पर भूस्खलन होने की संभावना बनी हुई है वहां पर जेसीबी खड़ी की गई है ताकि भूस्खलन होने पर तुरंत मलबे को साफ किया जा सके। पानी बैंड पर भी आधे घंटे के भीतर मलबा हटा दिया गया था।

बालावाला में रक्तदान शिविर का आयोजन

देहरादून। बालावाला में डेंगू एवं मलेरिया की लड़ाई से लड़ने के लिए टीम वारियर्स, न्यू संस्था और टीम एवोल्यूशन की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को पौधे भेंट कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने की भी मांग की। टीम वारियर्स के संस्थापक शिवम बहुगुणा ने डेंगू को महामारी बताते हुए डेंगू से बचाव की सलाह दी। साथ ही लोगों से रक्तदान करने की अपील की। नेक्स्ट एवोल्यूशन ऑफ वर्ल्ड के संस्थापक अध्यक्ष हरप्रीत सिंह ने पर्यावरण बचाने और स्वच्छता का संदेश दिया।

परीक्षा धांधली पर सीबीआई जांच से बच रही सरकार

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ अध्यक्ष बॉबी पंवार ने राज्य सरकार पर राज्य में विभिन्न परीक्षाओं में हुई धांधली की सीबीआई जांच से बचने का आरोप लगाया है। एकता विहार स्थित धरना स्थल पर परीक्षाओं में धांधली की सीबीआई जांच की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के 150 दिन होने पर हुई प्रेस वार्ता में बॉबी पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पूर्व में कहा था कि जब उत्तराखंड लोक सेवा आयोग और उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षाएं पूर्ण हो जाएंगी तो उत्तराखंड में पूर्व में धांधली की भेंट चढ़ी भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराई जाएगी। लेकिन 150 दिन से बेरोजगार संघ एकता विहार में आंदोलन कर रहे हैं। मगर सरकार सीबीआई जांच से बच रही है। उन्होंने राजकीय पॉलिटेक्निक विद्यालयों में आउटसोर्सिंग एजेंसी से नियुक्तियों पर भी सवाल उठाए। आरोप लगाया कि बिल्डिंग निर्माण कंपनी को नियुक्ति का ठेका दे दिया गया है। उन्होंने उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड से चिकित्साधिकारी(आयुर्वेद एवं यूनानी) के पदों पर नियुक्तियों में भी गड़बड़ी का आरोप लगाया। बॉबी पंवार ने कहा कि सरकारी बजट को ठिकाने लगाने के लिए बड़े होटलों में चिंतन शिविर किए जा रहे हैं

मां यमुना की आरती कर देश, प्रदेश की खुशहाली की मन्नत मांगी

विकासनगर। लोक पंचायत के तत्वावधान में हरिपुर स्थित यमुना तट पर रविवार को संध्याकालीन आरती की गई, जिसमें देहरादून और वृंदावन से आए हुए पुरोहित भी सम्मिलित हुए। श्रद्धालुओं ने यमराज की बहन मां यमुना से प्राकृतिक आपदाओं और दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के साथ ही देश, प्रदेश की खुशहाली की मन्नतें मांगी। शिक्षाविद श्याम अग्रवाल ने कहा है कि हरिपुर यमुना तट की भारतीय अध्यात्म में बड़ी पवित्र महत्ता है। कहा है कि ऐसे बहुत कम स्थान है जहां पर चार नदियों का संगम होता है। मुख्यमंत्री के विशेष सचिव डॉ. पराग धकाते ने कहा है कि यमुना यहीं से होकर इंद्रप्रस्थ, वृंदावन, मथुरा की ओर बढ़ती हैं। इस तीर्थ के दर्शन करने के लिए लिए वृंदावन और मथुरा के लोग भी आतुर रहते हैं। उन्होंने कहा है कि आने वाले समय में स्थानीय लोगों के सहयोग से मां यमुना जी का भव्य मंदिर हरिपुर वृंदावन धाम के नाम से बनाया जाएगा। कालसी के ब्लॉक प्रमुख मठोर सिंह चौहान ने कहा है कि यमुना तट पर घाटों का निर्माण अवश्य होना चाहिए, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो। आरती में कनिष्ठ उप प्रमुख रितेश असवाल, केशर नेगी, भारत चौहान, शांति वर्मा, विजय शास्त्री, विरेंद्र बिष्ट, प्रीतम सिंह, चमन सिंह, प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

यमुना घाट हरिपुर पुस्तक का लोकार्पणः आरती से पूर्व लोक पंचायत द्वारा संकलित यमुना घाट–हरिपुर पुस्तक का लोकार्पण किया गया।

पीएचसी त्यूणी में पैथोलॉजी सुविधा शुरु किए जाने की मांग

विकासनगर। तहसील क्षेत्र के बाशिंदों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र त्यूणी में पैथोलॉजी की सुविधा मुहैया कराने की मांग मुख्य चिकित्साधिकारी से की है। इस आशय का ज्ञापन स्थानीय लोगों ने सीएमओ को भेजा। ज्ञापन में स्थानीय बाशिंदों ने बताया कि प्रदेश के सीमांत क्षेत्र के त्यूणी अस्पताल में एक दिन में दो सौ से अधिक की ओपीडी संचालित होती है। लेकिन अस्पताल में पैथोलॉजी की सुविधा नहीं होने के चलते मरीजों को छोटी बड़ी जांच कराने के लिए हिमाचल प्रदेश के रोहडू अस्पताल के साथ ही उत्तरकाशी, विकासनगर के अस्पतालों में जाना पड़ता है। समय पर जांच नहीं होने से बीमारी का उपचार करने में भी देरी होती है, जिससे कई बार सामान्य बीमारी भी गंभीर बन जाती है।

ट्रेटा पैकिंग में मिलेगा आंचल का दूध

देहरादून। उत्तराखंड आंचल डेयरी का दूध, लस्सी और मट्ठा भी अब। ट्रेटा पैक की बदौलत आंचल के दुग्ध उत्पाद लंबे समय तक सुरक्षित रहेंगे। सुरक्षित रखने के लिए उन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत भी न होगी। यूसीडीएफएल के एमडी जयदीप अरोड़ा ने बताया कि सोमवार को दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा इसे विधिवत लांच करेंगे। इसकी शुरूआत 1.5 लाख लीटर के साथ की जा रही है। इसके जरिए उत्तराखंड के पशुपालकों के दुग्ध उत्पादों को एक सशक्त ब्रांड के रूप में स्थापित होने में मदद मिलेगी।

अमूल, मदर डेयरी के साथ होगी टक्कर

आंचल ब्रांड की टक्कर अमूल और मदर डेयरी के साथ होगी। इस वक्त उत्तराखंड के बाजार में इन दो कंपनियों की हिस्सेदारी ज्यादा है। पर्वतीय क्षेत्रों में सामान्य पैकिंग के दूध के साथ साथ ट्रेटा पैक दूध की भी काफी मांग है। खासकर यात्रा सीजन के दौरान इसकी मांग ज्यादा बढ़ जाती है। ट्रेटा पैक में दुग्ध उत्पादों के लंबे समय तक सुरक्षित रहने से स्थानीय कारोबारी और पर्यटक इसे पसंद करते हैं। अरोड़ा बताते हैं कि स्थानीय कारोबारियों की जरूरत अनुसार इसकी सप्लाई की जाएगी। साथ ही कुछ रियायतें भी दी जाएंगी।

क्रिकेट इतिहास में अमेरिका को पहली बार मेजबानी, 2024 का टी20 विश्व कप 4 से 30 जून तक

नई दिल्ली ,2024 पुरुष टी20 विश्व कप अगले साल 4 से 30 जून तक कैरेबियाई और संयुक्त राज्य अमेरिका में 10 स्थानों पर खेला जाएगा। 2024 पुरुष टी20 विश्व कप अगले साल 4 से 30 जून तक वेस्टइंडीज़ और यूएसए के 10 अलग–अलग स्थानों पर खेला जाएगा।

यह समझा जा रहा है कि इस सप्ताह आईसीसी की एक टीम ने यूएसए में कुछ शॉर्टलिस्ट किए गए स्थानों का निरीक्षण किया, जो पहली बार एक अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक क्रिकेट कार्यक्रम की मेज़बानी करेगा। इनमें फ्लोरिडा का लॉडरहिल भी शामिल है, जो पहले भी अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेज़बानी कर चुका है। साथ ही भारत अपने वेस्टइंडीज़ दौरे पर लॉडरहिल में दो टी20 मैच भी खेलने वाला है। इसके अलावा यूएसए में मॉरिसविल, डलास और न्यूयॉर्क को भी आईसीसी ने शॉर्टलिस्ट किया है।

मॉरिसविले और डलास वर्तमान में यूएसए में मेजर लीग क्रिकेट के उद्घाटन संस्करण की मेज़बानी कर रहे हैं। डलास ग्रैंड प्रायर स्टेडियम, मॉरिसविले चर्च स्ट्रीट पार्क और न्यूयॉर्क ब्रॉक्स में वैन कोर्टलैंड पार्क के मैदानों को अभी तक अंतर्राष्ट्रीय स्थल का दर्जा नहीं मिला है, जो आईसीसी नियमों के अनुसार अनिवार्य है। आयोजन स्थलों पर अंतिम निर्णय अगले कुछ महीनों में क्रिकेट वेस्टइंडीज़ सीडब्ल्यूआई और यूएसए क्रिकेट यूएसएसी के साथ मिलकर आईसीसी द्वारा लिया जाएगा।

इस सप्ताह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने आईसीसी द्वारा निर्धारित क्षेत्रीय क्वालीफ़ायर टूर्नामेंटों के माध्यम से टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफ़ाई कर लिया है। जहां पीएनजी पूर्वी एशिया क्वालीफ़ायर राउंड में शीर्ष पर रहा, वहीं आयरलैंड और स्कॉटलैंड यूरोपीय क्षेत्र के क्वालीफ़ायर राउंड में शीर्ष दो स्थानों पर रहे। हालांकि अभी भी अफ़्रीका और एशियाई क्षेत्रों से क्वालीफ़ायर टूर्नामेंट को आयोजित होना बाक़ी है।

क्षेत्रीय क्वालीफ़ायर टूर्नामेंट के आयोजन के पहले ही 12 टीमें टूर्नामेंट के लिए क्वालीफ़ाई कर चुकी थीं, जिनमें मेज़बान वेस्टइंडीज़ और अमेरिका के साथ 2022 टी20 विश्व कप की शीर्ष आठ टीमें झ्र ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नीदरलैंड, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ़्रीका और श्रीलंका शामिल थीं। वहीं अफ़ग़ानिस्तान और बांग्लादेश ने टी20 रैंकिंग में अपने स्थानों के आधार पर क्वालीफ़ाई किया है।

2024 टी20 विश्व कप का प्रारूप पिछले दो संस्करणों (यूएई में 2020–21 और ऑस्ट्रेलिया में 2022) से अलग होगा, जहां पहले दौर के बाद सुपर 12 का आयोजन किया गया था। अगले टी20 विश्व कप में टीमों को पहले दौर के लिए पांच–पांच टीमों के चार समूहों में विभाजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सुपर 8 के लिए क्वालीफ़ाई करेंगी। सुपर 8 टीमों को चार–चार के दो समूहों में विभाजित किया जाएगा, प्रत्येक समूह में शीर्ष दो टीमें सेमीफ़ाइनल में पहुंचेंगी।

टीम डेविड का धमाका, एक ओवर में 3 गगनचुंबी छक्के जड़कर पलटा मैच का पूरा रुख

नई दिल्ली , मेजर लीग क्रिकेट 2023 में एक से बढ़कर एक युवा खिलाड़ी चमकते हुए नजर आ रहे है। 29 जुलाई को खेले गए एमएलसी के एक मैच में 27 साल के खिलाड़ी ने बल्ले से तहलका मचाते हुए 3 गेंदों में गगनचुंबी छक्के ठोककर गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। ये खिलाड़ी और कोई नहीं, बल्कि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड ही है, जिन्होंने 20 गेंदों पर 33 रन जड़कर टीम को शानदार जीत दिलाने में खास योगदान दिया। उनकी इस तूफानी पारी के चलते एमआई न्यूयॉर्क ने लीग के फाइनल में एंट्री कर ली। दरअसल, मआई न्यू यॉर्क और टेक्सास सुपर किंग्स के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें एमआई की टीम ने 6 विकेट से धांसू जीत दर्ज की। इस जीत में टिम डेविड रियल हीरो बनकर उबरे और 20 गेंदों पर 33 रन ठोककर उन्होंने मैच को अपनी झोली में डाला। इस मैच में एमआई न्यूयॉर्क टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। टेक्सास सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 158 रन बनाए। इसके जवाब में एमआई न्यूयॉर्क ने 6 गेंद शेष रहते ही 4 विकेट से मैच जीत लिया। एमआई टीम की तरफ से विस्फोटक बल्लेबाज टिम डेविड ने 15वें ओवर में शानदार नजारा पेश किया। टेक्सास सुपर किंग्स के मोहम्मद मोहसिन ये ओवर डालने आए थे और उनके ओवर में टिम ने अपने हाथ खोले और एक नहीं, बल्कि तीन गगनचुंबी छक्के जड़ दिए।

जापान ओपन : लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में जोनाथन क्रिस्टी से हारे

टोक्यो ,भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन पुरुष एकल सेमीफाइनल में दुनिया के 9वें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से हारकर जापान ओपन 2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

बैडमिंटन रैंकिंग में 13वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य योयोगी नेशनल जिम्नेजियम में क्रिस्टी से 15–21, 21–13, 16–21 से हार गए और बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। 21 वर्षीय लक्ष्य की हार से भारत की जापान ओपन में चुनौती भी समाप्त हो गई।यह सेन का लगातार दूसरा सेमीफाइनल था। वह यूएस ओपन में भी शीर्ष चार चरण में हारकर बाहर हो गये थे।

शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ी तेज और छोटी रैलियों में लगे हुए थे। हालांकि, यह लक्ष्य ही थे जिन्होंने पहले ब्रेक से पहले दो अंकों की बढ़त हासिल की। लेकिन खेल फिर से शुरू होने के बाद, पांचवीं वरीयता प्राप्त क्रिस्टी ने अपने खेल में कुछ गियर ऊपर उठाया और आसानी से पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में, भारतीय शटलर ने अधिक धैर्यपूर्ण रवैया अपनाया और इंडोनेशियाई खिलाड़ी को लंबी रैलियों में उलझाया। यह चाल काम कर गई और लक्ष्य ने खेल को शुरू से अंत तक आगे बढ़ाया और मैच को निर्णायक गेम में ले गए।

तीसरा गेम बराबरी पर शुरू हुआ लेकिन स्कोर 6–6 से बराबर होने पर क्रिस्टी ने बढ़त बना ली और 68 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

तीन आमने–सामने की भिड़ंत में लक्ष्य की क्रिस्टी के खिलाफ यह दूसरी हार थी।

डरबन कलंदर्स बना टी–10 लीग का पहला विजेता, यूसुफ पठान की टीम को फाइनल में चखाया हार का स्वाद

नई दिल्ली ,ज़िम एफ्रो टी10 2023 का फाइनल मुकाबला डरबन कलंदर्स और जोहान्सबर्ग बफेलोज के बीच खेला गया। इस खिताबी मुकाबले को डबरन कलंदर्स ने 8 विकेट से जीतकर ट्रॉफी अपने नाम दर्ज की। मैच में डरबन कलंदर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जो कि सही साबित हुआ।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी जोहान्सबर्ग टीम ने निर्धारित 10 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाए। इसके जवाब में डरबन कलंदर्स ने 4 गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की तरफ से हजरतुल्लाह जजई रियल हीरो बनकर उबरे, जिन्होंने मैच को फिनिश कर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई और 8 विकेट से टीम को ट्रॉफी दिलाई।

डरबन कलंदर्स ने पहली बार जीता टी–10 लीग का खिताब

दरअसल, हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए टी–10 लीग के फाइनल मैच में जोहान्सबर्ग बफेलोज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 127 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन टॉम बैंटन ने बनाए, जिन्होंने 17 गेंदों का सामना करते हुए 2 चौको और 3 छक्कों की मदद से 36 रन की पारी खेली।

उनके अलावा कप्तान मोहम्मद हफीज ने 13 गेंद में 32 रन बनाए। वहीं यूसुफ पठान 14 गेंद में 5 चौको की मदद से 25 रन ही बना सके।

शस्त्रांग मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने एशियाई मार्शल आर्ट चैंपियनशिप में जीते 18 गोल्ड

पंचकूला , स्थानीय शस्त्रांग मार्शल आर्ट के खिलाड़ियों ने यूनाइटेड वर्ल्ड मार्शल आर्ट्स फैडरेशन द्वारा नईदिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई एशियन मार्शल आर्ट्स चैंपियनशिप 2023 में असाधारण प्रतिभा, समर्पण और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। शस्त्रांग मार्शल आर्ट के संस्थापक, 9 डिग्री ब्लैक बैल्ट ग्रैंडमास्टर बिक्रम एस थापा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

टीम के कोच गौरव और नवनीत झा तथा टीम मैनेजर रोज़ी के मार्गदर्शन में शतरंग इंडियन मॉडर्न मार्शल आर्ट खिलाड़ियों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। चैंपियनशिप के चमकते सितारे बनकर उभरे। उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के कारण विभिन्न आयु वर्गों में 18 स्वर्ण पदक हासिल हुए।

चैंपियनशिप में 22 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए एयर शील्ड ड्रिल श्रेणी में, कीर्तिका ने 48 किग्रा से 51 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। 22 वर्ष से कम आयु वर्ग में, आशिमा निधि ने 72 किग्रा और उससे अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि मीनाक्षी ने 69 किग्रा से 72 किग्रा वर्ग में जीत हासिल की। गर्व खोसला ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया और लड़कों की 69 किग्रा से 72 किग्रा रक्षा ड्रिल में स्वर्ण पदक जीता।

अंडर 18 आयु वर्ग में आगे बढ़ते हुए, कुणाल 51 किग्रा से 54 किग्रा भार वर्ग में विजयी रहे, जबकि पलक ने उत्कृष्ट तकनीक का प्रदर्शन किया और 42 किग्रा से 45 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। सोनिया ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और 39 किग्रा से 42 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। अंडर 14 आयु वर्ग में, अलंकृतिका सिंह ने उल्लेखनीय कौशल का प्रदर्शन किया और 36 किग्रा से 39 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि भाव्या ने निर्णायकों को प्रभावित करते हुए 54 किग्रा से 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। 10 वर्ष से कम आयु वर्ग में अव्यान डांग का असाधारण प्रदर्शन देखने को मिला, जिससे उन्हें 21 किग्रा से 24 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक मिला। 22 वर्ष से अधिक आयु के प्रतिभागियों के लिए रक्षा ड्रिल श्रेणी में, यशपाल 69 किग्रा से 72 किग्रा भार वर्ग में विजयी हुए, जबकि गौरव ने अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया और 87 किग्रा और उससे अधिक वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 22 वर्ष से कम आयु वर्ग में, दिल माया थापा ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया और 54 किग्रा से 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि गर्व खोसला ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 69 किग्रा से 72 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया।

मोनिश यादव ने 18 वर्ष से कम आयु वर्ग में दबदबा बनाते हुए 75 किग्रा और उससे अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया। 19 से 22 वर्ष की आयु के प्रतिभागियों के लिए पैटर्न श्रेणी में, सुष्मिता और तनीषी भारद्वाज ने अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया और अपने–अपने पैटर्न में स्वर्ण पदक हासिल किए। एशियाई मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2023 सभी प्रतिभागियों के समर्पण, कड़ी मेहनत और कौशल का प्रमाण थी।

फिल्मी दुनियां

मनोज बाजपेयी की साइलेंस के सीक्वल का ऐलान, फिल्म की शूटिंग शुरू

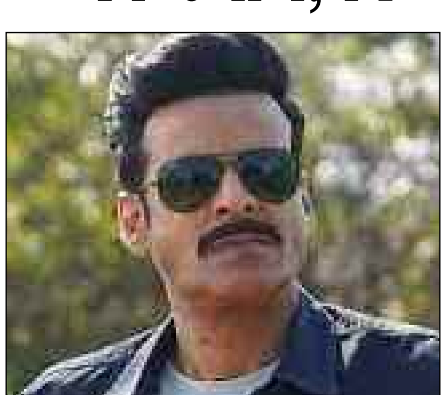

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म साइलेंस के दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे दर्शकों का इंतजार आखिरकार अब खत्म होगा। एक्टर एक बार फिर एसीपी अविनाश की भूमिका में कदम रखने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने साइलेंस 2 का ऐलान कर दिया है। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

पहले पार्ट में, एसीपी अविनाश के किरदार में मनोज बाजपेयी एक हाई–प्रोफाइल महिला की रहस्यमय हत्या की जांच करते हैं। इस दौरान उनके सामने धोखे, झूठ और छिपी सच्चाइयों का पता चलता है। जैसे–जैसे फिल्म आगे बढ़ती है, सस्पेंस भी बढ़ता जाता है।

फिल्म में मनोज बाजपेयी, प्राची देसाई और अर्जुन माथुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें साहिल वैद, वकवेर, बरखा सिंह, शिरीष शर्मा, सोहिला कपूर, अमित ठक्कर और गरिमा याग्निक जैसे कलाकारग भी नजर आए।

साइलेंस के दूसरे पार्ट को लेकर एक्टर मनोज वाजपेयी ने कहा, मैं दर्शकों के लिए साइलेंस का दूसरा पार्ट लाने के लिए रोमांचित और उत्साहित हूं। इस भूमिका के लिए मुझे जो प्यार और सराहना मिली, वह वास्तव में जबरदस्त है और यह मुझे इस नए प्रोजेक्ट में भी अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए प्रेरित करती है। एक्टर ने कहा कि वह हमेशा खुद को चुनौती देना और अलग–अलग किरदारों को निभाना पसंद करते हैं।

उन्होंने कहा, एसीपी अविनाश की यात्रा यादगार यात्रा रही है। मैं जी5, जी स्टूडियोज और निर्देशक अबान देवहंस के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को जारी रखने के लिए बेहद आभारी हूं।

धनुष की कैप्टन मिलर का नया पोस्टर आया सामने, 15 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

धनुष का नाम उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिनकी लोकप्रियता न सिर्फ दक्षिण भारतीय सिनेमा, बल्कि हिंदी पट्टी में भी जबरदस्त है। धनुष के 40वां जन्मदिन के खास मौके पर धनुष की आने वाली फिल्म कैप्टन मिलर से उनका नया लुक सामने आ चुका है। पोस्टर में धनुष जबरदस्त एक्शन में नजर आ रहे हैं।कैप्टन मिलर का निर्देशन अरुण माथेश्वरन द्वारा किया जा रहा है, जबकि यह फिल्म सेंथिल त्यागराजन और अर्जुन त्यागराजन द्वारा निर्मित है।इसमें धनुष के साथ शिव राजकुमार, संदीप किशन और प्रियंका अरुल मोहन जैसे कलाकार अभिनय करते नजर आएंगे।कैप्टन मिलर 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट के अनुसार, धनुष इस फिल्म में एक सैनिक की भूमिका में नजर आने वाले हैं। इसमें वह 3 अलग–अलग लुक में दिखाई देंगे। गौरतलब है कि अभिनेता की यह एक पीरियड फिल्म है, जिसे 1930–40 के दशक के इर्द–गिर्द बुना गया है। तमिल के अलावा धनुष उत्तर भारत में भी काफी लोकप्रिय हैं। हिंदी पट्टी में भी उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है। यही वजह है कि हिंदी भाषी लोगों को भी कैप्टन मिलर का बेसब्री से इंतजार है।

इस फिल्म में धनुष का किरदार पूरी तरह से काल्पनिक है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में धनुष जबरदस्त एक्शन करते नजर आने वाले हैं। इस बारे में फिल्म के डायरेक्टर अरुण माथेश्वरण ने कहा था, जब मैंने फिल्म की कहानी लिखनी शुरू की तो मेरे दिमाग में कोई नहीं था, फिल्म आधी लिखने के बाद मुझे लगा कि धनुष इस भूमिका के लिए एकदम सही होंगे। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से पसंद करता हूं। बता दें कि इस फिल्म में धनुष तीन अलग–अलग लुक में नजर आने वाले हैं। माथेश्वरण ने बताया कि फिल्म में मिलर के अलावा धनुष के दो और नाम होंगे।

अक्षय कुमार की ओह माय गॉड 2 का दूसरा गाना हर हर महादेव हुआ जारी

अक्षय कुमार की आगामी फिल्म ओह माय गॉड–2 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में खिलाड़ी कुमार के साथ–साथ पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

पोस्टर्स के बाद मेकर्स ने कुछ दिनों पहले फिल्म का टीजर और पहला गाना रिलीज किया था, जिसे दर्शक भी अपना भरपूर प्यार देने से पीछे नहीं हटे। अब हाल ही में ओह माय गॉड 2 का शिव की भक्ति को दर्शाता हुआ दूसरा गाना हर–हर महादेव रिलीज हो चुका है। इस गाने में अक्षय कुमार शिव तांडव करते हुए नजर आ रहे हैं।बीती शम अक्षय कुमार ने फिल्म ओह माय गॉड–2 के दूसरे गाने का एक मोशन पोस्टर रिलीज किया था, जिसकी जानकारी देते हुए अक्षय ने बताया था कि उनका गाना 27 तारीख को हर–हर महादेव गाना रिलीज होगा। अब ये गाना फाइनली ऑडियंस के सामने है।बड़ी जटाओं और चेहरे पर राख लगाए, हाथ में डमरू लिए शिव की तरह कभी मंद–मंद मुस्काते तो कभी रौद्र रूप को दर्शाते हुए अक्षय कुमार ने खुद को इसमें खुद को रम दिया है।भोलेनाथ को समर्पित इस गाने के लिरिक्स तो कैची हैं ही, लेकिन इसी के साथ जिस तरह से अक्षय ने गाने में शिव तांडव करते हुए भगवान शंकर के रूप को दर्शाया है, वह भी काबिले तारीफ हैं।

शिवशक्ति में मुझे देखकर मेरी मां भावुक हो गईः निक्की शर्मा

एक्ट्रेस निक्की शर्मा की 'शिवशक्ति् के साथ टीवी पर वापसी उनके फैंस और उनकी मां संदीपा के लिए खुशी लेकर आई है।

निक्की को 'शिवशक्ति में शक्ति का किरदार निभाते देख उनकी मां भावुक हो गईं। वाराणसी में पहले सीन की शूटिंग से लेकर मुंबई तक, उनकी मां ने उन्हें फुल सपोर्ट किया है।इस पर निक्की ने कहा कि उनका सबसे बड़ा फैन उनके साथ है।निक्की ने कहा, मैं वास्तव में ऐसी मां पाकर भाग्यशाली हूं, जो मेरी पूरी जर्नी में मेरी सबसे बड़ी सपोर्टर रही हैं। जब से मेरा पहला सीन टीवी पर ऑन एयर हुआ, तब से वह वहां मौजूद है। मेरी मां मेरी सबसे बड़ी फैन हैं, वह शो के पहले एपिसोड का बेसब्री से इंतजार कर रही थीं और इसे देखने के बाद वह भावुक हो गईं और उनकी आंखों में आंसू आ गए।

उन्होंने कहा, वह न केवल मेरे साथ सेट पर रहती हैं, बल्कि हर दिन मेरे दिल को प्यार और प्रोत्साहन से भर देती हैं। और अब, मेरे सोशल मीडिया पर फैंस की अविश्वसनीय प्रतिक्रिया और उनके मैसेज अभिभूत करने वाला क्षण होता है। मैं उनके समर्थन के लिए आभारी हूं, और यह मुझे हर परफॉर्मेंस में अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है।

राजवीर देओल की दोनों का नया पोस्टर जारी, पालोमा ढिल्लों की भी दिखी झलक

जहां सनी देओल इन दिनों गदर 2 को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं, वहीं उनके बेटे राजवीर देओल भी अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार है।पिछले कुछ दिनों से वह अपनी पहली फिल्म दोनों को लेकर चर्चा में हैं।इसमें उनकी जोड़ी पूनम ढिल्लों की बेटी पालोमा ढिल्लों के साथ बनी है।अब निर्माताओं ने दोनों का नया पोस्टर साझा कर दिया है, जिसमें राजवीर और पालोमा एक–दूसरे के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं। राजवीर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर दोनों का नया पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, जब दुल्हन की दोस्त की दूल्हे के दोस्त से मुलाकात हो। यह फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा होगी।दोनों जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिलहाल फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।यह फिल्म इसलिए भी ज्यादा खास है क्योंकि दोनों के जरिए जाने–माने निर्देशक सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश एस बड़जात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। गौरतलब है कि इन दोनों के माता–पिता भी पहले फिल्म में नायक–नायिका के तौर पर नजर आ चुके हैं। सनी देओल और पूनम ढिल्लों ने साल 1984 में आई लव स्टोरी फिल्म सोहनी महिवाल में लीड रोल प्ले किया था। अब दोनों के बच्चे एक साथ फिल्म करने जा रहे हैं। मेकर्स ने सोमवार को राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों का पोस्टर रिलीज कर दिया है। इस पोस्टर में राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया बीच पर बैठे और उनकी पीठ कैमरे की तरफ है। फिल्म दोनों के पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये रोमांटिक फिल्म होगी। राजवीर देओल और पलोमा ठकेरिया की डेब्यू फिल्म दोनों के डायरेक्शन की जिम्मेदारी सूरज बडज़ात्या के बेटे अवनीश एस बडज़ात्या के कंधे पर है। फिल्म दोनों से अवनीश एस बडज़ात्या निर्देशन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन
डिग्री कॉलेज रोड़,
जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित
तथा जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338